21 मार्च 2026
शनिवार

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

गेट पर प्रसव ने खोली चक्की पीएचसी की पोल सिस्टम फेल, लापरवाही या लचर व्यवस्था

2

एक नजर

प्रीमियम पेट्रोल के बाद इंडस्ट्रियल डीजल भी हुआ महंगा

नई दिल्ली। प्रीमियम पेट्रोल की कीमतों में बढ़ोतरी के बाद अब इंडस्ट्रियल डीजल की कीमतें भी महंगी हो गई हैं। इंडियन ऑयल कारपोरेशन ने इंडस्ट्रियल डीजल के रेट में बड़ा संशोधन करते हुए इसे 87.67 रुपए प्रति लीटर से बढ़ाकर 109.59 रुपए प्रति लीटर कर दिया है। इस फैसले का असर औद्योगिक सेक्टर, लॉजिस्टिक्स और ट्रांसपोर्ट लागत पर पड़ने की संभावना जताई जा रही है। इंडस्ट्रियल डीजल आम पेट्रोल पंप पर उपलब्ध नहीं होता। इसे सीधे फैक्ट्रियां, बड़े जनरेटर, माइनिंग कंपनियां, कंस्ट्रक्शन साइट और पावर प्लांट खरीदते हैं। इससे पहले तेल कंपनियों ने ब्रांडेड और हाई-ऑक्टेन श्रेणी के प्रीमियम पेट्रोल की कीमतों में करीब 2 प्रति लीटर की बढ़ोतरी की थी। सामान्य पेट्रोल की कीमतों में फिलहाल कोई बदलाव नहीं किया गया है, जिससे आम उपभोक्ताओं को तत्काल राहत मिली है। आर्थिक विश्लेषकों के अनुसार, यदि ईंधन की कीमतें इसी रफ्तार से बढ़ती रहीं, तो इसका असर धीरे-धीरे महंगाई और सप्लाई चेन पर भी दिख सकता है।

देश में 194दवाओं के सैंपल गुणवत्ता जांच में फेल

नई दिल्ली। देश में दवाओं की गुणवत्ता और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सरकार ने बड़ी कार्रवाई की है। केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) की ओर से फरवरी 2026 के लिए जारी मासिक ड्रग अलर्ट में कुल 194 दवा सैंपलों को मानक स्तर का नहीं (एनएसक्यू) पाया गया है। स्वास्थ्य मंत्रालय की तरफ से शुक्रवार को जारी रिपोर्ट के अनुसार केंद्रीय प्रयोगशालाओं ने 60 और राज्य औषधि परीक्षण प्रयोगशालाओं ने 134 सैंपलों को गुणवत्ता के विभिन्न पैमानों पर विफल पाया है। इसके अलावा फरवरी में चार दवा सैंपल को नकली पाए गए थे। जांच के दौरान दिल्ली, गाजियाबाद (उत्तर क्षेत्र) और असम में चार ऐसे सैंपल भी मिले हैं, जो स्यूरियस या नकली की श्रेणी में आते हैं। ये दवाएं अनधिकृत निर्माताओं की ओर से दूसरे प्रतिष्ठित ब्रांडों के नाम का उपयोग कर अवैध रूप से बनाई जा रही थीं।

ममता बनर्जी की 10 महा-प्रतिज्ञाएं: लक्ष्मी भंडार की राशि बढ़ी, बेरोजगारों को भत्ता

- ममता बनर्जी ने 88 पेज के मेनिफेस्टो में दीदी की 10 प्रतिज्ञा जारी की
- 10 महा-प्रतिज्ञा में महिलाओं, युवाओं और आवास योजनाओं पर खास फोकस है

एजेंसी। कोलकता

तृणमूल कांग्रेस ने बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के लिए अपना घोषणापत्र जारी कर दिया है। इस बार ममता बनर्जी ने 88 पेज के मेनिफेस्टो में ह्यदीदी की 10 प्रतिज्ञाह्ल जारी की है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की इस 10 महा-प्रतिज्ञा में महिलाओं, युवाओं और आवास योजनाओं पर खास फोकस है। पिछले चुनावों की तुलना में कई नयी घोषणाएं हैं, जो सीधे मतदाताओं को प्रभावित कर सकती हैं। तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी ने शुक्रवार को पार्टी कार्यालय में राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी के साथ ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस का घोषणापत्र जारी किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल के हर प्रखंड में दुआरे चिकित्सा शिविर आयोजित किये जायेंगे। लक्ष्मी भंडार योजना के तहत महिलाओं को दी जाने वाली वित्तीय सहायता में 500 रुपए की वृद्धि का वादा किया गया है। घोषणा पत्र को इस्तहार 2026 नाम दिया गया है। ममता बनर्जी ने अपने 88 पेज का विजन डॉक्यूमेंट जारी करते हुए कहा कि ये प्रतिज्ञाएं अगले 5 वर्षों के सुशासन का आधार होंगी।

माताओं-बहनों को मिलेंगे ज्यादा पैसे

महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के लिए ममता बनर्जी ने लक्ष्मी भंडार योजना को लेकर सबसे बड़ा ऐलान किया है। लक्ष्मी भंडारह्ल योजना की मासिक सहायता राशि में 500 रुपए की सीधी बढ़ोतरी कर दी गयी है। जिसमें सामान्य वर्ग रू अब 1,500 रुपए प्रति माह (सालाना 18,000 रुपए) मिलेंगे। वहीं एससी-एसटी वर्ग को अब 1,700 रुपए प्रति माह (सालाना 20,400 रुपए) मिलेगा।

युवाओं के लिए युवा-साथी योजना

बंगाल के बेरोजगार युवक-युवतियों के लिए बांग्ला युवा-साथी परियोजना को जारी रखने का संकल्प लिया गया है। इसके तहत पात्र युवाओं को 1,500 रुपए मासिक (सालाना 18,000 रुपए) की वित्तीय सहायता दी जायेगी।

ईरान के खिलाफ पेश प्रस्ताव को भारत ने दिया समर्थन

एजेंसी। नई दिल्ली

इजराइल-ईरान संघर्ष के बीच फारस की खाड़ी में बढ़ते तनाव और होर्मुज जलमार्ग पर वाणिज्यिक जहाजों पर हमलों के मद्देनजर अंतरराष्ट्रीय समुदाय ने ईरान पर दबाव बनाने की रणनीति को भारत ने अपना पूरा समर्थन दिया है। अंतरराष्ट्रीय समुद्री संगठन (आइएमओ) की लंदन में हुई 36वीं असाधारण परिषद बैठक में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) द्वारा पेश ड्राफ्ट घोषणा को भारत समेत 115 से अधिक सदस्य देशों ने सह-प्रायोजित किया। इससे ज्यादा 120 देशों ने भाग लिया। भारत ने इस प्रस्ताव का मजबूत समर्थन किया, जिसमें ईरान के हमलों और होर्मुज जलमार्ग को बंद करने की कोशिशों की कड़ी निंदा की गई है।पश्चिम एशिया युद्ध की शुरूआत से ही भारत सउदी अरब, कतर, यूएई व अन्य देशों पर ईरान की तरफ से हो रहे हमले की निंदा करने की नीति पर कायम है। यह बैठक पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष के कारण बुलाई गई थी, जिसमें होर्मुज जलमार्ग पर हमलों ने वैश्विक शिपिंग और ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला को खतरे में डाल दिया है। इस मार्ग से ही विश्व के लगभग 20 फीसद तेल का आवागमन होता है जबकि भारत की जरुरत का 40 फीसद गैस व तेल यहां से आता है।

तेल की बढ़ती कीमतों को लेकर नाटो देशों पर भड़के अमेरिकी राष्ट्रपति

कायर हैं नाटो देश के लोग हम इन्हें याद रखेंगे : ट्रंप

■ रहोर्मुज स्ट्रेट में जहाजों की सुरक्षित आवाजाही में ये देश अमेरिका की मदद नहीं करना चाहते

एजेंसी। नई दिल्ली

तेल की बढ़ती कीमतों को लेकर नाटो देशों पर भड़के अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दुनियाभर में बढ़ते डीजल-पेट्रोल की कीमतों को लेकर नाटो देशों पर ठीकरा फोड़ा है। ट्रंप ने कहा कि होर्मुज स्ट्रेट में जहाजों की सुरक्षित आवाजाही में ये देश अमेरिका की मदद नहीं करना चाहते और तेल की ऊंची कीमतों की शिकायत करते हैं। उन्होंने कहा कि ये लोग कायर हैं और हम इन्हें याद रखेंगे। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर पोस्ट कर कहा कि अमेरिका के बिना नाटो एक कागजी शेर है। वे परमाणु शक्ति संपन्न ईरान को रोकने की लड़ाई में शामिल नहीं होना चाहते थे। **अमेरिका का समर्थन नहीं कर रहा नाटो :** अमेरिकी राष्ट्रपति ने जापान और दक्षिण कोरिया जैसे देशों से ईरान के खिलाफ युद्ध में समर्थन करने का आग्रह किया है, लेकिन कई देशों ने अपने समर्थन से इनकार कर दिया है। उन्होंने कहा कि अमेरिका ईरान के खिलाफ युद्ध में अकेले लड़ रहा है और नाटो के सदस्य देश इसका समर्थन नहीं कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि अब जब यह लड़ाई सैन्य रूप से जीत ली गई है और उनके लिए खतरा बहुत कम है तो वे तेल की ऊंची कीमतों की शिकायत करते हैं, लेकिन होर्मुज स्ट्रेट को खोलने में मदद नहीं करना चाहते, जो एक साधारण सैन्य कार्रवाई है और तेल की ऊंची कीमतों का एकमात्र कारण है।

नाटो देशों के नेताओं को बताया डरपोक

अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि उनके लिए यह करना कितना आसान है, कितना कम जोखिम है। उन्होंने नाटो देशों को धमकी देते हुए कहा कि ये लोग कायर हैं और हम इन्हें याद रखेंगे।

ईरान जंग से दुनिया में पैदा हुआ तेल संकट

इस जंग में ईरान ने खाड़ी देशों के ऊर्जा ठिकानों पर हमले किए, जिसकी वजह से एनर्जी उत्पादन भी धीमा पड़ गया है। इसके अलावा होर्मुज स्ट्रेट से जहाजों की आवाजाही पर भी ईरान ने शुरूआत में प्रतिबंध लगा दिया था, जिसके बाद दुनियाभर में तेल संकट पैदा हो गया। हालांकि बाद में जब ट्रंप ने दुनिया के सभी देशों से होर्मुज में अमेरिका की मदद मांगी तो तेहरान की ओर से कहा गया कि वो सिर्फ अमेरिका-इजरायल के जहाजों को पार नहीं करने देंगे। वहीं ट्रंप की अपील पर यूरोपीय देशों ने जंग में उतरने से साफ इनकार कर दिया। इंग्लैंड से लेकर फ्रांस जैसे देशों ने भी साफ किया कि ये जंग अमेरिका की है, नाटो की नहीं. इसलिए हम इस जंग में अपने सैनिक नहीं भेजेंगे। उनके इस बयान ने ट्रंप चिढ़े हुए हैं।

जनता को यूडीएफ पर पूरा भरोसा : राहुल

एजेंसी। नई दिल्ली

केरल में चुनाव का एलान हो गया है। चुनावी हलचल के बीच कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को कहा कि केरल के लोग अब बदलाव के लिए पूरी तरह तैयार हैं। उन्होंने राज्य में यूडीएफ की सरकार बनाने की वकालत की। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा 'टीम यूडीएफ ही टीम केरलम है।' उन्होंने अपने पोस्ट में कहा कि हर उम्मीदवार केरलम के लोगों की आवाज, उनकी उम्मीदों और उनके भरोसे को दशार्ता है। इस टीम में अनुभवी नेताओं के साथ-साथ बदलाव लाने वाले युवा चेहरे भी शामिल हैं। यह पुरुषों और महिलाओं का एक ऐसा मजबूत समूह है, जो अपने चुनाव क्षेत्र की बारीकियों और समस्याओं को बहुत अच्छी तरह समझते हैं। वायनाड के

पूर्व सांसद राहुल गांधी ने केरल से अपने खास लगाव का जिक्र किया। उन्होंने कहा, 'मेरे लिए केरलम एक घर की तरह है और वहां के लोग मेरा परिवार हैं। केरल के लोगों ने मुझे जो कुछ भी सिखाया है और मुझे जितना प्यार और अपनापन दिया है, उसके लिए मैं उनका कर्जदार हूं। मैं हमेशा आपका साथी बनकर रहूंगा।' लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि केरलम से मिलने वाला संदेश बिल्कुल साफ है। लोग बदलाव के लिए तैयार हैं। वे एक ऐसी सरकार की तलाश में हैं जो उनकी बात सुने, उनकी समस्याओं को समझे और ईमानदारी के साथ काम करके दिखाए। उन्होंने वादा किया कि आने वाली यूडीएफ सरकार के साथ मिलकर वे इस खूबसूरत राज्य के बेहतर भविष्य के लिए हर संभव कोशिश करेंगे। उन्होंने विश्वास जताया कि केरल जीतेगा और यूडीएफ नेतृत्व करेगा। राहुल गांधी का यह संदेश कांग्रेस की ओर से 92 उम्मीदवारों की सूची जारी होने के एक दिन बाद आया है। केरल में नौ अप्रैल को विधानसभा चुनाव होने हैं। सत्ताधारी एलडीएफ को कड़ी टक्कर देने के लिए कांग्रेस ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। पार्टी ने इस बार किसी भी सांसद को विधानसभा चुनाव के मैदान में नहीं उतारने का फैसला किया है।

भारत ही युद्ध समाप्त कर सकता है : मोहन भागवत

नई दिल्ली। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने कहा है कि दुनिया मान रही है कि सिर्फ भारत ही पश्चिम एशिया में जारी युद्ध को खत्म कर सकता है। मोहन भागवत ने विभिन्न देशों की ओर से इस युद्ध को रोकने के लिए भारत को दखल देने के लिए कहने का हवाला दिया है। ऐसे देशों में संयुक्त अरब अमीरात और फिनलैंड सबसे आगे रहे हैं। विश्व के कई देशों ने यह भावना जाहिर कि है कि जिस तरह से भारत के अमेरिका और इजरायल से अच्छे संबंध हैं और ईरान के साथ भी सदियों पुरानी मित्रता है, इसमें ही यह क्षमता है, जो दोनों पक्षों के बीच दखल देकर जंग पर पानी डाल सकता है। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सर संघचालक मोहन भागवत ने नागपुर में एक कार्यक्रम में विश्व के इसी नजरिए पर जोर दिया है। नागपुर में विश्व हिंदू परिषद के विदर्भ प्रांत कार्यालय का शिलान्यास करने के बाद मोहन भागवत ने एक सभा को संबोधित करते हुए वैश्विक संघर्ष की जड़ और सौहार्द के माध्यम से इसके समाधान के बारे में बात की है। उन्होंने कहा कि 'युद्ध स्वार्थी हितों का परिणाम है, दुनिया को सद्भाव चाहिए, संघर्ष नहीं।' भारत और दुनिया की सोच में अंतर के बीच लकीर खींचते हुए आरएसएस चीफ ने कहा, 'भारत के लोग मानवता के कानून का पालन करते हैं, लेकिन बाकी दुनिया जंगल के कानून का पालन करती है। धर्म का आधार देकर लड़खड़ाते हुए विश्व में संतुलन कायम करना हमारा कर्तव्य है।

डुमरांव एसडीएम ने दूर की श्री महाबीरी झंडा पूजा समिति की भ्रांतियां, बोले सिर्फ डीजे पर लगाया गया है रोक

■ शांति समिति की बैठक में उत्पन्न असमंजस पर जताया खेद, बोले समिति को हर संभव मदद करेगा अनुमंडल प्रशासन

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव एसडीएम राकेश कुमार ने शुक्रवार को प्रेस वार्ता के दौरान शहर के कुछ लोगों द्वारा जुलूस में साउंड सिस्टम पर फैलाई जा रही भ्रांतियों को दूर किया है। प्रेस वार्ता में एसडीएम ने कहा कि सुप्रिम कोर्ट के निर्देश पर डीजे पर पर प्रतिबंध लगाया गया है, लेकिन लाउड स्पीकर पर रोक नहीं लगाया गया है। उन्होंने कहा कि महाबीरी झंडा पूजा समिति द्वारा दिए गए आवेदन पर जुलूस के दौरान साउंड बॉक्स बजाने की अनुमति दी जा चुकी है। उन्होंने कहा कि जुलूस को लेकर उनके पास दो आवेदन आए थे, दोनों को स्वीकृति दी जा चुकी है।

वहीं, शांति समिति की बैठक के दौरान उपजे विवाद पर उन्होंने मीडिया के सामने सार्वजनिक रूप से खेद प्रकट किया है और कहा कि अनुमंडल प्रशासन महाबीरी झंडा जुलूस निकाले जाने को लेकर हर संभव मदद करते आया है और आगे भी करेगा। उन्होंने कहा कि जुलूस के मद्देनजर पुलिस, अग्निशमन वाहन तथा एंबुलेंस को तैयार रखा गया है।

वहीं, एक सवाल के जबाव में उन्होंने कहा कि वसंत पंचमी के पहले नियमों तथा राज्य सरकार के गाइड लाइन के तहत सभी डीजे संचालकों से बंध पत्र भरवाया गया था। एसडीएम ने कहा कि यह प्रशासन की नियमित प्रक्रिया है। जबकि कुछ लोगों द्वारा यह अफवाह फैलाया जा रहा है कि साजिश के तहत डीजे संचालकों से बंध पत्र भरवाया गया है।

समिति की बैठक में नहीं निकला ठोस परिणाम

दूसरी तरफ बड़ी संगत मठिया में श्री महाबीरी झंडा पूजा समिति के सदस्यों की भी एक बैठक हुई, लेकिन मीडिया को संबोधित करने के दौरान समिति संयोजक अभी इस निर्णय पर नहीं पहुंच पाए है कि रामनवमी के दिन जुलूस निकलेगा की नहीं। समिति सदस्य बार-बार मठिया परिसर में ही वरीय अधिकारियों के साथ बैठक की मांग पर अड़े रहे। हालांकि, एसडीएम द्वारा प्रेस वार्ता आयोजित कर शांति समिति की बैठक में उपजे विवाद पर खेद जताने के बाद अब गेंद श्री महाबीरी झंडा पूजा समिति के पाले में चली गई है। देखना है कि समिति अब क्या निर्णय लेती है, इस पर पूरे शहर की निगाहे टिकी है।

गेट पर प्रसव ने खोली चक्की पीएचसी की पोल सिस्टम फेल, लापरवाही या लचर व्यवस्था

■ डॉक्टर-स्टाफ नदारद, ड्यूटी विवाद में उलझा अस्पताल, बीडीओ ने मांगा जवाब, जांच के आदेश

केटी न्यूज/डुमरांव

चक्की प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) में स्वास्थ्य व्यवस्था की बदहाली का एक गंभीर और झकझोर देने वाला मामला सामने आया है, जहां एक गर्भवती महिला को अस्पताल के भीतर नहीं, बल्कि मुख्य गेट पर ही बच्चे को जन्म देना पड़ा। यह घटना न सिर्फ मानवीय संवेदनाओं पर सवाल उठाती है, बल्कि पूरे सरकारी स्वास्थ्य तंत्र की कार्यशैली पर भी गंभीर आरोप लगाती है। जानकारी के अनुसार, भोला डेरा की रहने वाली रेणु देवी को गुरुवार सुबह प्रसव पीड़ा के बाद पीएचसी में भर्ती कराया गया था। परिजनों का आरोप है कि पूरे दिन महिला को न तो समुचित चिकित्सा सुविधा मिली और न ही नियमित निगरानी। अस्पताल में डॉक्टरों की अनुपस्थिति और नर्सिंग स्टाफ की उदासीनता के कारण स्थिति बिगड़ती चली गई। शाम होते-होते जब महिला की हालत गंभीर होने लगी, तब परिजन उसे निजी अस्पताल ले जाने के लिए बाहर निकाल रहे थे। इसी दौरान अस्पताल के मुख्य गेट पर ही प्रसव हो गया। सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि उस वक्त अस्पताल परिसर में मौजूद किसी भी स्वास्थ्यकर्मी ने तत्काल मदद के लिए पहल नहीं की। यह घटना स्वास्थ्य सेवाओं में व्याप्त संवेदनहीनता की एक कड़वी तस्वीर पेश करती है।

जिम्मेदारी से बचता प्रशासन, जीएनएम पर ठीकरा : घटना के बाद अस्पताल प्रशासन हरकत में जरूर आया, लेकिन जिम्मेदारी तय करने के बजाय एक-दूसरे पर आरोप लगाने का सिलसिला शुरू हो गया। प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. अंजनी कुमार ने ड्यूटी पर तैनात जीएनएम सारिका कुमारी को दोषी ठहराते हुए उनसे 24 घंटे के भीतर स्पष्टीकरण मांगा है। उन्होंने कहा कि जीएनएम की लापरवाही और उदासीनता के कारण यह स्थिति उत्पन्न हुई और यह कोई पहली बार नहीं है। वहीं, जीएनएम सारिका कुमारी ने खुद को निर्दोष बताते हुए कहा कि घटना के समय वे अस्पताल में ड्यूटी पर थीं ही नहीं। उनका कहना है कि उन्हें पूर्व आदेश के तहत फील्ड में टीकाकरण कार्य के लिए भेजा गया था, जहां वे सुबह 8 बजे से दोपहर 2 बजे तक व्यस्त थीं। ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर उस समय अस्पताल में जिम्मेदार कौन था।

एक ही दिन में दूसरा मामला भी आया सामने

इसी दिन एक और मामला सामने आया, जिसने पीएचसी की लचर व्यवस्था की पोल खोल दी। हेनवा गांव के कृष्णा कुमार अपनी पत्नी का प्रसव कराने अस्पताल पहुंचे, लेकिन काफी देर तक इंतजार के बावजूद कोई डॉक्टर या स्टाफ सक्रिय नहीं दिखा। मजबूर होकर उन्हें अपनी पत्नी को निजी अस्पताल ले जाना पड़ा, जहां सुरक्षित प्रसव कराया गया।

बुनियादी सुविधाओं का भी अभाव

स्थानीय लोगों का कहना है कि चक्की पीएचसी में मूलभूत सुविधाओं की भारी कमी है। अस्पताल में केवल एक एम्बुलेंस है, जो लंबे समय से खराब पड़ी है। डॉक्टरों की संख्या बेहद कम है और अल्ट्रासाउंड जैसी जरूरी जांच की सुविधा भी उपलब्ध नहीं है। ऐसे में गरीब और ग्रामीण मरीजों को मजबूरी में महंगे निजी अस्पतालों का रुख करना पड़ता है।

जांच के आदेश, लेकिन क्या बदलेगा हाल

घटना को लेकर प्रखंड विकास पदाधिकारी लालबाबू पासवान ने भी संज्ञान लिया है और प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी से विस्तृत प्रतिवेदन मांगा है। उन्होंने निष्पक्ष जांच और दोषियों पर सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया है। हालांकि, बड़ा सवाल यह है कि क्या सिर्फ जांच और स्पष्टीकरण से ऐसी घटनाओं पर रोक लग पाएगी, या फिर यह मामला भी कागजों में दबकर रह जाएगा? जरूरत इस बात की है कि जिम्मेदारी तय कर ठोस कार्रवाई की जाए और स्वास्थ्य सेवाओं में तत्काल सुधार लाया जाए, ताकि भविष्य में किसी भी मरीज को ऐसी दर्दनाक स्थिति का सामना न करना पड़े।

रघुनाथपुर स्टेशन के विकास व ट्रेनों के ठहराव को लेकर रेल मंत्रालय को सौंपा ज्ञापन

केटी न्यूज/ब्रह्मपुर

रेलयात्री कल्याण समिति, शाखा रघुनाथपुर के संयोजक एवं भाजपा प्रदेश सह-संयोजक (कला एवं संस्कृति प्रकोष्ठ) शंभु चंद्रवंशी ने रेल मंत्रालय, नई दिल्ली में संयुक्त निदेशक (ईडी कोचिंग) विवेक कुमार सिन्हा से मुलाकात कर रघुनाथपुर रेलवे स्टेशन की समस्याओं और ट्रेनों के ठहराव से जुड़ा एक महत्वपूर्ण ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में रघुनाथपुर स्टेशन के समग्र विकास के लिए कई मांगें रखी गईं। इसमें धार्मिक महत्व को ध्यान में रखते हुए स्टेशन भवन को वाराणसी की तर्ज पर मंदिरनुमा स्वरूप देने तथा मुख्य द्वार पर गोस्वामी तुलसीदास की भव्य प्रतिमा स्थापित करने की मांग शामिल है। साथ ही, अमृत भारत स्टेशन विकास योजना के तहत स्वीकृत 20.5 करोड़ रुपये से चल रहे कार्यों में तेजी लाने और गुणवत्ता सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया।

इसके अलावा बलिया और आरा के बीच प्रस्तावित रेलमार्ग को रघुनाथपुर से जोड़ने की मांग की गई, जिससे दूरी घटकर 35 किलोमीटर हो जाएगी और लागत में भी कमी आएगी। इससे भृगु आश्रम (बलिया) और बाबा ब्रह्मेश्वर नाथ स्थान (ब्रह्मपुर) जैसे धार्मिक स्थलों का सीधा जुड़ाव संभव होगा।

ज्ञापन में कई प्रमुख ट्रेनों के ठहराव की मांग भी प्रमुखता से उठाई गई। इनमें मंडुआडीहझपटना जनशताब्दी एक्सप्रेस, श्रमजीवी एक्सप्रेस, हावड़ाझअमृतसर मेल (पंजाब मेल), कुम्भ एक्सप्रेस, उपासना एक्सप्रेस तथा पटनाझकोटा एक्सप्रेस शामिल हैं। साथ ही पटना-वाराणसी इंटरसिटी चलाने और उसका ठहराव रघुनाथपुर में देने की मांग भी की गई। झारखंड के प्रमुख शहरों से चलने वाली ट्रेनों को बक्सर तक विस्तारित करने का प्रस्ताव भी रखा गया।

रेल अधिकारियों के साथ इन मांगों पर सकारात्मक चर्चा हुई। इस पहल पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए रेलयात्री कल्याण समिति, दानापुर मंडल के महामंत्री शैलेश ओझा ने कहा कि क्षेत्र के स्टेशनों के चहुंमुखी विकास के लिए समिति लगातार प्रयासरत है।

इस मौके पर मनोज सिंह, अजय उपाध्याय, विंध्याचल शाही, भुवर सिद्दकी, विशाल सिंह, आनंद कुमार, रवि कुमार और राजू कुमार समेत कई सदस्य मौजूद रहे।

त्यागपत्र के बाद भी आई बैठक की सूचना, बनी चर्चा का विषय

केटी न्यूज/राजपुर

प्रखंड प्रमुख मंजू देवी एवं उप प्रमुख मजिदन खातून के खिलाफ लाए गए अविश्वास प्रस्ताव पर 30 मार्च को होने वाली विशेष बैठक को लेकर क्षेत्र में सरगर्मी तेज है। पंचायत समिति सदस्यों को बैठक में शामिल होने के लिए बीडीओ सह कार्यपालक पदाधिकारी की ओर से सूचना पत्र भेजे गए हैं। इसी क्रम में एक ऐसा मामला सामने आया है, जिसने इस पूरे घटनाक्रम को नया मोड़ दे दिया है। बन्नी पंचायत क्षेत्र संख्या 16 की पंचायत समिति सदस्य संध्या कुमारी को भी बैठक में भाग लेने का निमंत्रण पत्र भेजा गया है, जबकि उन्होंने पिछले वर्ष 21 मई 2025 को अपने पद से त्यागपत्र दे दिया था। जानकारी के अनुसार, उनका चयन शिक्षक पद पर होने के बाद उन्होंने स्वेच्छा से यह निर्णय लिया था और वर्तमान में वे शिक्षिका के रूप में कार्यरत हैं। इस स्थिति ने स्थानीय स्तर पर चर्चा का विषय बना दिया है। लोग इसे प्रशासनिक प्रक्रिया की एक सामान्य

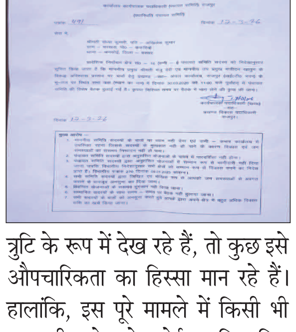

त्रुटि के रूप में देख रहे हैं, तो कुछ इसे औपचारिकता का हिस्सा मान रहे हैं। हालांकि, इस पूरे मामले में किसी भी पक्ष की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। इधर, अविश्वास प्रस्ताव को लेकर पंचायत समिति सदस्यों के बीच गतिविधियां बढ़ गई हैं। पूर्व प्रखंड प्रमुख राधिका देवी द्वारा दिए गए प्रस्ताव के बाद से ही दोनों पक्ष अपने-अपने समर्थन को मजबूत करने में जुटे हुए हैं। संध्या कुमारी के नाम से जारी पत्र ने इस पूरे माहौल में एक अलग ही चर्चा जोड़ दी है, जिससे बैठक को लेकर लोगों की उत्सुकता और बढ़ गई है। अब सबकी नजरें 30 मार्च की बैठक पर टिकी हैं, जहां इस प्रस्ताव पर अंतिम निर्णय लिया जाएगा।

डुमरांव में ईद का त्योहार पूरे उत्साह आस्था के साथ मनाया जाएगा

केटी न्यूज, डुमरांव

आपसी भाईचारगी का पर्व ईद का पर्व पवित्र रमजान महीने की समाप्ति के बाद के बाद मनाया जाता है। इसकी तैयारी रमजान का महीना शुरू होते ही शुरू कर दी जाती है। डुमरांव नगर में आज ईद का त्योहार पूरे उत्साह और धार्मिक आस्था के साथ मनाया जाएगा। शहर के कुल 18 मस्जिदों और ईदगाहों पर ईद की नमाज अदा की जाएगी। शुक्रवार को रमजान का अंतिम जुमे की नमाज शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ, जिसके बाद ईद को लेकर तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। मिली जानकारी के अनुसार, नगर के प्रमुख नमाज स्टेशन रोड के महरौरा मोड़ पर स्थित ईदगाह पढ़ा जाता है। नमाज अदा करने का समय भी तय कर दिया गया है, जिसमें सुबह 8:30 बजे ईदगाह में मुख्य नमाज पढ़ी जाएगी। नमाज अदा करने के लिये बड़ी संख्या में नमाजी ईद की नमाज अदा करने के लिये पहुंचते हैं। भीड़ इतनी बढ़ जाती है कि पूरा ईदगाह परिसर भर जाता है, फिर लोग उसके बाहर दरी और गमछा बिछाकर पढ़ते हैं। इसके अलावा शाही मस्जिद में सुबह 8 बजे, गुलाब मस्जिद में 7:45 बजे, शहीद मर्द मस्जिद में 8 बजे तथा अंसार कॉलोनी स्थित प्रिंस आलिया मस्जिद में 8:10 बजे नमाज अदा की जाएगी। नगर के विस्तारित क्षेत्रों में भी नमाज को लेकर विशेष व्यवस्था की गई है। पुराना भोजपुर मस्जिद, नया भोजपुर ईदगाह, बड़ी मस्जिद और चिरागी मस्जिद में भी ईद की नमाज अदा की जाएगी।

ईद के मद्देनजर नगर परिषद द्वारा साफ-सफाई को लेकर विशेष अभियान चलाया गया है। डुमरांव नगर परिषद के ईओ ने ईद पर्व पर शहर एवं ईदगाह के पास के सफाई की जिम्मेवारी प्रधान सहायक दुर्गेश सिंह को दिया है। साथ ही सफाई एजेंसी को सभी मस्जिदों और ईदगाह परिसरों में विशेष सफाई एवं ब्लीचिंग कराने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं को स्वच्छ वातावरण उपलब्ध कराना प्राथमिकता है और इसमें किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। वहीं, प्रशासन की ओर से सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को लेकर भी व्यापक इंतजाम किए गए हैं। अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीएम) राकेश कुमार ने जानकारी दी कि नमाज के दौरान सुबह 8 बजे से 9 बजे तक एनएच-120 पर आवागमन पूरी तरह बंद रहेगा, ताकि नमाजियों को आने-जाने में कोई परेशानी नहीं हो। इसके लिए वैकल्पिक मार्ग निर्धारित कर रूट चार्ट भी जारी किया गया है।

जनता दरबार में राशन कार्ड से जुड़े मामलों की भरमार, एसडीएम ने दिए त्वरित निष्पादन के निर्देश

केटी न्यूज/डुमरांव

अनुमंडल कार्यालय डुमरांव में आयोजित जनता दरबार में इस बार राशन कार्ड से जुड़ी समस्याएं प्रमुख रूप से सामने आईं। सात निश्चय पार्ट-3 कार्यक्रम के तहत शुक्रवार को आयोजित इस दरबार में कुल 19 मामलों की सुनवाई की गई, जिनमें से अधिकांश शिकायतें राशन कार्ड में त्रुटि, नाम जोड़ने और सुधार से संबंधित थीं। जनता दरबार की अध्यक्षता करते हुए एसडीएम राकेश कुमार ने स्पष्ट किया कि राशन कार्ड से जुड़े मामलों को प्राथमिकता के आधार पर जल्द से जल्द निपटाया जाए, ताकि आम लोगों को राहत मिल सके। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि इन मामलों में लापरवाही न बरती जाए और समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। दरबार में आए मामलों में दो शिकायतें राजस्व विभाग से संबंधित थीं, जिनमें भूमि विवाद प्रमुख रहा। सिमरी अंचल के बड़का सिहनपुरा पंचायत से आए एक भूमि विवाद के मामले को गंभीरता से लेते हुए एसडीएम ने अंचलाधिकारी और संबंधित थानाध्यक्ष को संयुक्त रूप से निष्पक्ष जांच करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि जांच पारदर्शी हो और किसी भी पक्ष के साथ अन्याय न हो। इसी तरह, कृष्णब्रह्म थाना क्षेत्र के अकालूपुर गांव से आए जमीन बंटवारे के एक मामले में एसडीएम ने दोनों पक्षों को विधिवत जमीन की मापी कराने की सलाह दी, ताकि विवाद का स्थायी समाधान निकाला जा सके। एसडीएम ने कहा कि जनता दरबार का उद्देश्य केवल शिकायत सुनना नहीं, बल्कि उनका त्वरित और पारदर्शी समाधान करना है। उन्होंने अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि लंबित मामलों को जल्द निपटाएं, जिससे लोगों को बार-बार कार्यालय के चक्कर न लगाने पड़ें। जनता दरबार में बड़ी संख्या में पहुंचे फरियादियों ने अपनी समस्याएं रखीं और प्रशासन की इस पहल पर संतोष जताया।

जीविका प्रशिक्षण में 50 महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने की सीख

■ **दो लाख की राशि के सही उपयोग, समूह आधारित व्यवसाय और मार्केटिंग पर दिया गया विशेष जोर**

केटी न्यूज/केसठ

केसठ स्थित सरकार भवन के सभागार में शुक्रवार को जीविका के तहत महिलाओं के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में कुल 50 महिलाओं ने भाग लिया और आत्मनिर्भर बनने के लिए जरूरी कौशल एवं वित्तीय प्रबंधन की जानकारी प्राप्त की।

प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को दो लाख रुपये की सहायता राशि के प्रभावी उपयोग के बारे में विस्तार से बताया गया। प्रशिक्षकों ने कहा कि इस राशि का एक हिस्सा कौशल विकास और प्रशिक्षण गतिविधियों पर खर्च करना चाहिए, जबकि शेष राशि को छोटे-छोटे व्यवसायों में निवेश कर स्थायी आय का स्रोत बनाया जा सकता है। महिलाओं को पशुपालन, कृषि, हस्तशिल्प एवं अन्य लघु उद्योगों से जुड़कर रोजगार के अवसर बढ़ाने के लिए प्रेरित किया गया।

कार्यक्रम में समूह आधारित कार्य प्रणाली पर विशेष बल दिया गया। महिलाओं को स्वयं सहायता समूह बनाकर सामूहिक रूप से लेन-देन करने और व्यवसाय को आगे बढ़ाने की सलाह दी गई, जिससे जोखिम कम हो और लाभ में वृद्धि हो सके। प्रशिक्षकों ने बताया कि समूह की ताकत से महिलाएं बड़े स्तर पर कार्य कर सकती हैं और आर्थिक रूप से अधिक सशक्त बन सकती हैं।

इसके साथ ही उत्पादों की मार्केटिंग और प्रचार-प्रसार के महत्व को भी विस्तार से समझाया गया। महिलाओं को स्थानीय बाजार के साथ-साथ डिजिटल माध्यमों के उपयोग के बारे में जानकारी दी गई, ताकि उनके उत्पादों को व्यापक पहचान मिल सके और आय में वृद्धि हो सके।

कार्यक्रम में हेल्प डेस्क की मंजू कुमारी, रोहित, एसजेवी, मंजू देवी, सीएम अर्चना देवी, अनीता, बबीता देवी एवं एमआरपी प्रीति कुमारी सहित कई पदाधिकारी उपस्थित रहे। वहीं प्रशिक्षण में गुड़िया कुमारी, रितु कुमारी समेत अन्य महिलाओं ने सक्रिय भागीदारी निभाई। कार्यक्रम के अंत में महिलाओं ने सीखी गई जानकारियों को अपने जीवन में लागू करने का संकल्प लिया।

बक्सर में विकास योजनाओं की हकीकत पर डीएम की पैनी नजर, अटल कला भवन से सड़क चौड़ीकरण तक का निरीक्षण

■ **दिसंबर 2026 तक पूरा होगा अटल कला भवन, अतिक्रमण हटाने व गुणवत्तापूर्ण निर्माण के सख्त निर्देश**

केटी न्यूज/बक्सर

नगर परिषद बक्सर क्षेत्र में चल रही विकास योजनाओं और ह्यप्रगति यात्राह्व के तहत घोषित कार्यों की प्रगति का जायजा लेने के लिए जिलाधिकारी साहिला ने विभिन्न स्थलों का व्यापक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों की टीम के साथ डीएम ने निर्माण कार्यों की स्थिति, गुणवत्ता और समयसीमा को लेकर संबंधित पदाधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए। इस दौरान उप विकास आयुक्त, अनुमंडल पदाधिकारी, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी, भवन निर्माण विभाग और पथ प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता, नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी समेत अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे। डीएम ने सभी योजनाओं में पारदर्शिता और समयबद्धता सुनिश्चित करने पर जोर दिया। सबसे पहले आईटीआई मैदान पहुंचकर डीएम ने 620 दर्शक क्षमता वाले निमार्णाधीन ह्यअटल कला भवनह्व का निरीक्षण किया। भवन निर्माण विभाग के कार्यपालक अभियंता ने जानकारी दी कि यह परियोजना कला, संस्कृति एवं युवा विभाग, बिहार द्वारा कराई जा रही है और इसे दिसंबर 2026 तक पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है। इस पर डीएम ने आसपास के क्षेत्र में साफ-सफाई बनाए रखने और योजना से संबंधित डिस्प्ले बोर्ड लगाने के निर्देश दिए, ताकि आम लोगों को परियोजना की जानकारी मिल सके।

इसके बाद डीएम ने आईटीआई मैदान में प्रस्तावित स्टेडियम निर्माण कार्य की प्रगति के बारे में जानकारी ली। भवन निर्माण निगम के अधिकारियों ने बताया कि स्टेडियम के मुख्य द्वार का निर्माण कार्य जारी है तथा मैदान के लेआउट पर भी काम चल रहा है। डीएम ने इस परियोजना को भी समयसीमा के भीतर पूरा करने और गुणवत्ता से कोई समझौता न करने की हिदायत दी।

निरीक्षण के दौरान पथ निर्माण विभाग द्वारा कराए जा रहे 4.20 किलोमीटर लंबे सड़क चौड़ीकरण कार्य की भी समीक्षा की गई। कार्यपालक अभियंता ने बताया कि इस परियोजना के तहत नालों पर चेकर टाइल्स, पेवर ब्लॉक, फुटपाथ निर्माण तथा बिटुमिनस कार्य अभी शेष हैं। इस पर डीएम ने स्पष्ट निर्देश दिया कि सड़क निर्माण पूरी गुणवत्ता के साथ किया जाए और नालों का निर्माण सड़क के लेवल के अनुरूप हो, ताकि बारिश के दौरान पानी का निकास सुचारू रूप से हो सके और जलजमाव की समस्या उत्पन्न न हो।

निरीक्षण के दौरान डीएम ने नगर परिषद बक्सर के कार्यपालक पदाधिकारी को विशेष रूप से निर्देशित किया कि आईटीआई मैदान के आसपास के क्षेत्रों में अवैध एवं अस्थायी अतिक्रमण को तत्काल प्रभाव से हटाया जाए। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक स्थलों पर अतिक्रमण किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और इसमें लापरवाही बरतने पर संबंधित पदाधिकारियों की जिम्मेदारी तय की जाएगी।

डीएम साहिला ने सभी अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी प्रकार की लापरवाही या देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग और तय समय सीमा में पूर्णता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

कुल मिलाकर डीएम का यह निरीक्षण जिले में चल रही विकास योजनाओं की रफ्तार को तेज करने और कार्यों में पारदर्शिता लाने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है।

एक नजर

गुप्त सूचना पर पुलिस की कार्रवाई नोनियापुरा से दो तस्कर गिरफ्तार

कृष्णाब्रह्म। स्थानीय थाना क्षेत्र में अवैध शराब कारोबार के खिलाफ पुलिस ने सख्त कार्रवाई करते हुए दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई गुप्त सूचना के आधार पर नोनियापुरा गांव में की गई, जहां लंबे समय से शराब बिक्री की शिकायत मिल रही थी। थानाध्यक्ष रवि कुमार के नेतृत्व में गुरुवार की रात छापेमारी अभियान चलाया गया। पुलिस टीम ने गांव में संदिग्ध ठिकानों की तलाशी ली, जिसके दौरान लालजी प्रसाद और राजू प्रसाद के घर से कुल चार लीटर देशी एवं विदेशी शराब बरामद की गई। मौके पर ही दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने बताया कि दोनों आरोपी अवैध रूप से शराब का भंडारण और बिक्री कर रहे थे, जो राज्य में लागू शराबबंदी कानून का उल्लंघन है। गिरफ्तार तस्करों के खिलाफ स्थानीय थाना में उत्पाद अधिनियम के तहत नामजद प्राथमिकी दर्ज की गई है। शुक्रवार को आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद दोनों आरोपियों को न्यायालय में प्रस्तुत कर दिया गया। पुलिस का कहना है कि क्षेत्र में अवैध शराब के कारोबार पर पूरी तरह से अंकुश लगाने के लिए लगातार अभियान चलाया जाएगा और इस तरह की गतिविधियों में संलिप्त लोगों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

लोहिया स्वच्छता अभियान के तहत मुख्य सड़कों की हुई सफाई

केसठ। आगामी रामनवमी और ईद पर्व को लेकर प्रखंड क्षेत्र में स्वच्छता को लेकर विशेष अभियान चलाया गया। शुक्रवार को लोहिया स्वच्छता अभियान के तहत स्वच्छता कर्मियों ने केसठ की मुख्य सड़कों पर व्यापक सफाई अभियान चलाया। इस दौरान सड़कों पर जमा कचरा हटाया गया तथा नालियों की भी साफ-सफाई की गई, जिससे आम लोगों को आवागमन में किसी प्रकार की परेशानी न हो।स्वच्छता पर्यवेक्षक संजय बारी ने बताया कि यह अभियान मुखिया अरविंद कुमार यादव उर्फ गामा पहलवान के नेतृत्व में चलाया गया। उन्होंने कहा कि पर्व-त्योहार के दौरान स्वच्छता बनाए रखना प्रशासन की प्राथमिकता है, ताकि लोगों को स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण मिल सके।स्थानीय लोगों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे अभियान नियमित रूप से चलाए जाने चाहिए, जिससे क्षेत्र में साफ-सफाई बनी रहे।

भभुअर में दुगोला चैता मुकाबले का भव्य आयोजन, कलाकारों ने बांधा समां

केटी न्यूज/बक्सर

प्रखंड अंतर्गत बोक्सा पंचायत के ग्राम भभुअर में दुगोला चैता मुकाबले का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें स्थानीय लोगों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि पूर्व जिला पार्षद सह अधिवक्ता डॉ. मनोज कुमार यादव ने फीता काटकर किया। यह आयोजन बोक्सा पंचायत के मुखिया सुरेश यादव के कुशल मार्गदर्शन में दुग्ध व्यवसाई संघ द्वारा कराया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि डॉ. मनोज कुमार यादव ने कहा कि चैता और दुगोला जैसी लोक-सांस्कृतिक परंपराएं हमारी ग्रामीण संस्कृति की अमूल्य धरोहर हैं। यह केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि समाज को एक सूत्र में बांधने का कार्य करती हैं।

उन्होंने कहा कि आधुनिक दौर में जहां नई पीढ़ी अपनी परंपराओं से दूर होती जा रही है, ऐसे आयोजन उन्हें अपनी जड़ों से जोड़ने में अहम भूमिका निभाते हैं। लोकगीतों के माध्यम से हमारी सांस्कृतिक पहचान जीवंत बनी रहती है। कार्यक्रम के दौरान रमाशंकर सिंह एवं सुदर्शन यादव की टीमों के बीच चैता गायन का रोचक मुकाबला हुआ। दोनों टीमों के कलाकारों ने अपनी शानदार प्रस्तुति से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया और पूरे माहौल को सांस्कृतिक रंग में रंग दिया। इस अवसर पर महदह पंचायत के मुखिया सुशील यादव, छात्र नेता तुषार विजेता, सुभाष यादव, ददन यादव, पूर्व जिला पार्षद बीरबल रजक, पिंटू यादव, संजीव यादव, गोविंद यादव, बरमेश्वर चौहान, सुरेश पाल, अजीत शर्मा, शिवानंद यादव, हरिद्वार यादव, शिववचन यादव, किन्नू पाण्डेय, छोटक खरवार, मधुबन यादव, रामायण गोंड, प्रमोद यादव, तेजनारायण पाल, अधिवक्ता विनोद कुमार यादव, जितेंद्र यादव सहित हजारों की संख्या में लोग उपस्थित रहे।

एसडीपीओ ने कृष्णाब्रह्म थाना में कसी कमान

■ **लंबित मामलों पर सख्ती, रात्रि गश्ती और छापेमारी तेज करने का आदेश**

केटी न्यूज/डुमरांव

कानून-व्यवस्था को और चुस्त-दुरुस्त बनाने के उद्देश्य से शुक्रवार को एसडीपीओ पोलस्त कुमार ने कृष्णाब्रह्म थाना का औचक निरीक्षण कर पुलिस व्यवस्था की जमीनी हकीकत परखी। निरीक्षण के दौरान उन्होंने साफ कर दिया कि लंबित मामलों में किसी भी तरह की ढिलाई अब बर्दाश्त नहीं की जाएगी और हर केस की नियमित मॉनिटरिंग अनिवार्य होगी।

थाना परिसर में पहुंचते ही एसडीपीओ ने सबसे पहले साफ-सफाई, अभिलेखों के रखरखाव और केस डायरी की स्थिति की गहन जांच की। समीक्षा के दौरान कई मामलों के लंबित रहने पर उन्होंने नाराजगी जताई और थानाध्यक्ष रवि कुमार को निर्देश दिया कि सभी लंबित कांडों का जल्द निष्पादन सुनिश्चित करें। उन्होंने वारंट और कुर्की-जब्ती की कार्रवाई में तेजी लाने को प्राथमिकता बताते हुए कहा कि इससे अपराधियों पर प्रभावी दबाव बनेगा।

अपराध नियंत्रण को लेकर भी एसडीपीओ ने सख्त रुख अपनाया। उन्होंने रात्रि गश्ती को और मजबूत करने तथा संवेदनशील इलाकों में लगातार निगरानी बनाए रखने का निर्देश दिया। साथ ही, असामाजिक तत्वों की गतिविधियों पर पैनी नजर रखने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तुरंत कार्रवाई करने की बात कही।

निरीक्षण के दौरान फरियादियों की समस्याओं के निपटारे पर भी विशेष जोर दिया गया। एसडीपीओ ने स्पष्ट निर्देश दिया कि थाना में आने वाले हर व्यक्ति की शिकायत को गंभीरता से सुना जाए और उसका त्वरित समाधान किया जाए, ताकि आम लोगों का पुलिस पर भरोसा मजबूत हो सके।

शराबबंदी कानून के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर भी उन्होंने सख्ती दिखाई। अवैध शराब के खिलाफ नियमित छापेमारी अभियान चलाने और इसमें किसी भी तरह की लापरवाही नहीं बरतने के निर्देश दिए गए। इसके अलावा, यातायात नियमों के पालन को सुनिश्चित करने के लिए नियमित वाहन जांच अभियान चलाने की बात कही गई।

निरीक्षण के दौरान पुलिसकर्मियों से संवाद करते हुए एसडीपीओ ने उनकी समस्याएं भी सुनीं और आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराने का भरोसा दिया। अंत में उन्होंने दो टूक कहा कि बेहतर पुलिसिंग के लिए अनुशासन, तत्परता और जवाबदेही अनिवार्य है—और इसमें किसी तरह की कोताही अब स्वीकार नहीं की जाएगी।

दो साल बाद भी नहीं मिला न्याय: बनारपुर के किसानों का फूटा गुस्सा, काला दिवस पर सरकार को चेतावनी

■ **पुलिस कार्रवाई की बरसी पर सैकड़ों किसान धरने पर बैठे, मुआवजा, रोजगार और फर्जी मुकदमों की वापसी की उठी मांग**

केटी न्यूज/चौसा

चौसा प्रखंड के बनारपुर गांव में वर्ष 2024 की पुलिस कार्रवाई की दूसरी बरसी पर शुक्रवार को माहौल एक बार फिर गुस्से और पीड़ा से भर गया। प्रभावित किसानों ने ह्वकाला दिवसह्व मनाते हुए परियोजना स्थल के समीप मुरा बाबा के पास काली पट्टी बांधकर जोरदार धरना-प्रदर्शन किया। इस दौरान सैकड़ों की संख्या में जुटे किसानों ने न्याय की मांग को लेकर आवाज बुलंद की और प्रशासन व प्रबंधन पर वादाखिलाफी का आरोप लगाया।

धरना स्थल पर उस दिन की तस्वीरों की प्रदर्शनी लगाई गई, जिसे देखकर मौजूद लोगों की आंखें नम हो गईं। किसानों ने आरोप लगाया कि दो साल पहले भारी पुलिस बल ने गांव में घुसकर महिलाओं और पुरुषों के साथ बेरहमी से मारपीट की थी, घरों में तोड़फोड़ की गई और कई निर्दोष लोगों को जेल भेजा गया। इस कार्रवाई में कई लोग गंभीर रूप से घायल हुए थे, जिनमें से कुछ की बाद में मौत भी हो गई।

कार्यक्रम के दौरान दिवंगत किसानों की स्मृति में दो मिनट का मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। किसानों का कहना था कि आज तक न तो दोषी पुलिसकर्मियों पर कोई कार्रवाई हुई और न ही पीड़ित परिवारों को न्याय मिल सका। उल्टा आंदोलन में शामिल किसानों पर दर्जनों फर्जी मुकदमे लाद दिए गए, जिनसे वे आज भी जूझ रहे हैं।

मोर्चा के नेताओं अंशु चौबे, मुन्ना तिवारी और रामप्रवेश यादव ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि यह लड़ाई सिर्फ जमीन की नहीं, बल्कि सम्मान और अधिकार की है। उन्होंने बताया कि स्थानीय युवाओं को रोजगार देने का वादा किया गया था, जिसके तहत 913 युवाओं की सूची सौंपी गई थी, लेकिन अब तक केवल 11 लोगों को ही नौकरी दी गई है। इसे उन्होंने खुली धोखाधड़ी करार दिया।

किसानों ने प्रबंधन को स्पष्ट चेतावनी देते हुए कहा कि यदि जल्द ही मुआवजा, रोजगार और प्रदूषण से जुड़े मुद्दों पर ठोस कार्रवाई नहीं की गई, तो आंदोलन को और उग्र किया जाएगा। उन्होंने कहा कि अब वे किसी भी कीमत पर अपने अधिकारों से पीछे हटने वाले नहीं हैं।

दोपहर बाद एसटीपीएल के एचआर प्रमुख कुलदीप धरना स्थल पर पहुंचे, जहां किसानों ने उन्हें अपनी मांगों से संबंधित ज्ञापन सौंपा और आगामी आंदोलन की रणनीति से अवगत कराया।

धरने में नंदलाल सिंह, शिवजी तिवारी, गोरखनाथ पांडेय, शैलेश राय, हरिश्चंद्र साह, रामप्रवेश सिंह, छेदी सिंह, बृजेश राय, मुन्ना तिवारी और अश्विनी चौबे समेत बड़ी संख्या में किसान शामिल रहे।

एलपीजी कालाबाजारी पर सख्ती, ईद व बिस्मिल्ला खां महोत्सव को लेकर प्रशासन अलर्ट

केटी न्यूज/बक्सर

जिलाधिकारी साहिला की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित सभाकक्ष में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में एलपीजी आपूर्ति, आगामी ईद-उल-फितर और उस्ताद बिस्मिल्ला खां महोत्सव को लेकर प्रशासन की तैयारियों की विस्तृत जानकारी दी गई। डीएम ने स्पष्ट किया कि जिले में गैस सिलेंडर की कालाबाजारी पर सख्त नजर रखी जा रही है और इसमें लिप्त प्रतिष्ठानों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं।

उन्होंने बताया कि 13 मार्च से 19 मार्च 2026 के बीच कुल 35,971 गैस सिलेंडरों का वितरण किया गया है, जबकि 19 मार्च तक एजेंसियों के पास 4,039 सिलेंडर का स्टॉक उपलब्ध है। आपूर्ति व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए वरीय पदाधिकारी लगातार बड़े प्रतिष्ठानों की भौतिक जांच कर रहे हैं। उपभोक्ताओं की शिकायतों के त्वरित समाधान के लिए जिला नियंत्रण कक्ष (06183-223333) 24 घंटे सक्रिय है। अब तक प्राप्त 126 शिकायतों में से 81 का निष्पादन किया जा चुका है, जबकि शेष पर कार्रवाई जारी है।

महोत्सव में सजेगी सांस्कृतिक महफिल: डीएम ने बताया कि 21 मार्च 2026 को राज +2 हाई स्कूल में भारत रत्न उस्ताद बिस्मिल्ला खां की स्मृति में भव्य महोत्सव आयोजित होगा। कार्यक्रम की शुरूआत स्थानीय कलाकारों की प्रस्तुतियों से होगी, जिसके बाद शबरी ब्रदर्स (जयपुर घराना), राकेश राज सानू और बिस्मिल्ला खां घराना के कलाकारों द्वारा शहनाई वादन की प्रस्तुति दी जाएगी।

ईद को लेकर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था: ईद-उल-फितर को शांतिपूर्ण और सुरक्षित ढंग से संपन्न कराने के लिए प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। 20 मार्च से 21 मार्च तक सुबह 6 बजे से पर्व समाप्ति तक जिले में 129 दंडाधिकारी, 31 गश्ती दल और 2 जोनल दंडाधिकारी तैनात किए गए हैं। साथ ही आकस्मिक स्थिति से निपटने के लिए क्विक रिस्पांस टीम का गठन किया गया है। सोशल मीडिया पर भी विशेष निगरानी रखी जा रही है, जहां साइबर सेनानी व्हाट्सएप ग्रुप के माध्यम से गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है। जिला नियंत्रण कक्ष को आपदा शाखा में सक्रिय रखा गया है, ताकि किसी भी आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

नगर परिषद बिक्रमगंज में विकास कार्य के लिए करोड़ों का बजट पेश

- उप सभापति और वार्ड पार्षदों ने इसके प्रति जताया विरोध
- ईओ और सभापति ने कहा..नगर का विकास कार्य ही मुख्य लक्ष्य

केटी न्यूज/रोहतास

नगर परिषद,बिक्रमगंज में वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 91 करोड़ 71 लाख 4586 रुपये का विकास बजट पारित किया गया। लेकिन यह बैठक भारी हंगामे और पार्षदों के तीखे विरोध की भेंट चढ़ गई। बैठक के दौरान मुख्य पार्षद और वार्ड पार्षदों के बीच योजनाओं के चयन को लेकर जमकर नोकझोंक भी हुई।

विरोधी वार्ड पार्षदों का मुख्य आरोप : नगर परिषद के कुछ वार्ड पार्षदों ने आरोप लगाया कि बजट में कुछ खास वार्डों को प्राथमिकता दी गई है, जबकि अन्य वार्डों की अनदेखी की गई है। दूसरी तरफ पिछली राशि के हिसाब जुड़ी जानकारी को लेकर वार्ड सदस्यों ने पिछले वित्तीय वर्ष के खर्चों का ब्यौरा मांगा और विकास कार्यों की धीमी गति पर नाराजगी जताई। साथ ही भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए विपक्ष के पार्षदों ने इसे "विकास नहीं, बल्कि लूट का बजट बताया है। जिससे नगर परिषद सदन में काफी शोर-शराबा हुआ।

क्या कहते हैं ईओ और सभापति : नगर परिषद,बिक्रमगंज कार्यपालक पदाधिकारी कोमल त्रिपाठी और सभापति मनोरंजन सिंह ने भ्रष्टाचार के आरोपों को खंडन करते हुए कहा कि कुछ वार्ड पार्षद और उप सभापति को खुली आंखों से नगर परिषद में विकास कार्य कम और भ्रष्टाचार ज्यादा दिखाई देता है। जिन्हें उन्हें सही साबित कर वार्डो के जनता के बीच लानी चढ़िए। सभापति ने कहा कि कुछ वार्ड सदस्य अपने वार्डो में घटिया विकास कार्य कराने की मंशा से विकास कार्य की राशि लूटने की योजना बना रहे हैं। जिसे भलीभांति वार्डो की जानती समझ रही हैं।

क्या है बजट की प्राथमिकताएं : 19 मार्च को हंगामे के बावजूद,नगर परिषद शहर के कायाकल्प के लिए बहुमत से बजट स्वीकृत किया गया। जिसमें मुख्य रूप से सड़क और नाली निर्माण,जल निकासी के लिए बड़े ड्रेनेज सिस्टम और गली-नाली पक्कीकरण,स्वच्छता कचरा प्रबंधन और फॉगिंग मशीनों की खरीद,स्ट्रीट लाइट,पार्क विकास,सब्जी मंडी,डीलक्स शौचालय, पेशाब खाना,सामुदायिक भवनों का निर्माण सहित अन्य विकास कार्य योजना शामिल है।

नगर परिषद के विकास कार्य क्षेत्र : अंजबित सिंह कॉलेज गेट से सासाराम रोड़ मुख्य पथ से अस्कामिनी मंदिर से रेलवे क्रासिंग तक सड़क निर्माण.ढिबरा मुहल्ला से डुमरांव रोड़ तक मुख्य सड़क. विभिन्न वार्डो में पेशाब खाना और आधुनिक शौचालय निर्माण. छठ काशी घाट पर आधुनिक शौचालय निर्माण सहित अन्य विकास योजनाएं शामिल है।

क्या कहते है वार्ड पार्षद : नगर विकास कार्य योजना की करोड़ों राशि पारित होने के बाद विरोध जताने वाले उप सभापति अमृता सिंह, वार्ड सदस्य-प्रविंद सिंह,निलेश कुमार के विरुद्ध वार्ड पार्षद पप्पू सेठ, रामजी प्रसाद, उमरावती देवी,गंगा देवी, संदीप कुमार,रानी देवी, कुसुम देवी, शशिबाला देवी, मीरा देवी, रूबी देवी, रवि रंजन, पूनम कुमारी, शहनाज बानो, रीता देवी,खैरून निशा सहित अन्य ने बताया कि नगर परिषद ईओ कोमल सिंह और सभापति मनोरंजन सिंह के नेतृत्व में विकास कार्य प्रगति पर है। जिस विकास कार्य के प्रति हम सभी संतुष्ट हैं। साथ ही भ्रष्टाचार का आरोप विपक्षियों द्वारा बिल्कुल गलत है। दूसरी तरफ कार्यपालक पदाधिकारी कोमल त्रिपाठी के हस्तक्षेप के बाद मामला शांत हुआ, हालांकि असंतुष्ट पार्षदों ने इसकी शिकायत उच्च अधिकारियों से करने की चेतावनी दी है।

समृद्धि यात्रा के अंतिम दिन मुख्यमंत्री नीतीश ने राजद पर साधा निशाना : शाम के बाद घर से निकलना था मुश्किल

एजेंसी। पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने समृद्धि यात्रा के चौथे चरण के अंतिम दिन शुक्रवार को औरंगाबाद में आयोजित अंतिम सभा में पूर्ववर्ती सरकार पर जमकर निशाना साधा। बिना नाम लिए उन्होंने लालू-राबड़ी शासनकाल पर हमला बोलते हुए जंगलराज की स्थिति की याद दिलाई। बारूण के मुंशीबिगहा में जनसंवाद को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले की सरकार में हालात पूरी तरह खराब थे और शाम 7 बजे के बाद लोग घर से निकलने से डरते थे। उस समय आए दिन जातीय संघर्ष और हिंदू-मुस्लिम झगड़े होते थे तथा बिजली की भी भारी कमी रहती थी। उन्होंने कहा कि 2005 में उनकी सरकार बनने के बाद सुधार के काम शुरू हुए और 2006 से बड़े पैमाने पर कब्रिस्तानों की घेराबंदी कराई गई, जिससे झगड़े कम हुए। बाद में मंदिरों को लेकर विवाद सामने आए तो उनकी भी चहारदीवारी बनवाई गई और अब स्थिति शांतिपूर्ण है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2005 से पहले बिहार में विकास नहीं हुआ था, जबकि उनकी सरकार ने स्वास्थ्य, शिक्षा और सड़क समेत हर क्षेत्र में काम किया। स्कूलों की संख्या बढ़ाई गई, नए विद्यालय खोले गए, बालिकाओं के लिए पोशाक और साइकिल योजना चलाई गई तथा शिक्षकों की बड़े पैमाने पर बहाली की गई। मुख्यमंत्री ने बताया कि 2006 में 3.68 लाख नियोजित शिक्षक बहाल हुए, जबकि 2023 में बीपीएससी के जरिए 2.68 लाख शिक्षकों की नियुक्ति हुई। सक्षमता परीक्षा के माध्यम से 2.66 लाख शिक्षकों को राजकीय शिक्षक का दर्जा मिला और इस तरह कुल 5.24 लाख शिक्षकों की बहाली हुई, जबकि 45 हजार और बहाली प्रक्रिया में है।स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि पहले पीएचसी में रोज औसतन 39 मरीज आते थे, जबकि अब यह संख्या बढ़कर प्रति माह औसतन 11 हजार हो गई है। राज्य के 21 जिलों में मेडिकल कॉलेज बनाए जा रहे हैं और 6 नए मेडिकल कॉलेज खोलने की योजना है।

अब राज्य में शांति और अमन-चैन का माहौल

उन्होंने कहा कि अब राज्य में शांति और अमन-चैन का माहौल है और लोग अपने काम में लगे हैं। बिजली के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि पहले पटना में भी बिजली की स्थिति खराब थी, लेकिन 2006 से काम शुरू कर 2018 तक हर घर बिजली पहुंचाई गई। अब 125 यूनिट तक मुफ्त घरेलू बिजली दी जा रही है और लोगों के घरों पर सोलर लगाने की योजना लागू की जा रही है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि उनकी सरकार ने अब तक 50 लाख युवाओं को नौकरी और रोजगार दिया है और आने वाले 5 वर्षों में 1 करोड़ लोगों को रोजगार देने का लक्ष्य रखा गया है, जिसे आगे और बढ़ाया जाएगा।

गिनाई अपनी सरकार की उपलब्धियां

मुख्यमंत्री ने कहा कि 2005 से पहले बिहार में विकास नहीं हुआ था, जबकि उनकी सरकार ने स्वास्थ्य, शिक्षा और सड़क समेत हर क्षेत्र में काम किया। स्कूलों की संख्या बढ़ाई गई, नए विद्यालय खोले गए, बालिकाओं के लिए पोशाक और साइकिल योजना चलाई गई तथा शिक्षकों की बड़े पैमाने पर बहाली की गई। मुख्यमंत्री ने बताया कि 2006 में 3.68 लाख नियोजित शिक्षक बहाल हुए, जबकि 2023 में बीपीएससी के जरिए 2.68 लाख शिक्षकों की नियुक्ति हुई। सक्षमता परीक्षा के माध्यम से 2.66 लाख शिक्षकों को राजकीय शिक्षक का दर्जा मिला और इस तरह कुल 5.24 लाख शिक्षकों की बहाली हुई, जबकि 45 हजार और बहाली प्रक्रिया में है।

आशा कार्यकर्ताओं ने बकाया मानदेय भुगतान को लेकर किया प्रदर्शन

केटी न्यूज/आरा

बकाया मानदेय को लेकर शुक्रवार को कोईलवर और बड़हरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में आशा कार्यकतोओं का आक्रोश खुलकर सामने आया। दोनों जगहों पर बड़ी संख्या में जुटीं आशा कार्यकताओं ने धरना-प्रदर्शन करते हुए स्वास्थ्य विभाग के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और जल्द भुगतान की मांग उठाई।

कोईलवर सीएचसी में आशा कार्यकताओं ने बताया कि उनका मानदेय अगस्त 2025 से ही बकाया है। बार-बार मांग के बावजूद भुगतान नहीं होने से उनके सामने गंभीर आर्थिक संकट उत्पन्न हो गया है। उन्होंने स्वास्थ्य प्रबंधक एवं चिकित्सा प्रभारी पर आरोप लगाते हुए कहा कि प्रबंधन की लापरवाही के कारण मानदेय का आवंटन आने के बावजूद वापस चला गया, जो बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। वहीं,बड़हरा सीएचसी में भी आशा कार्यकताओं ने जोरदार प्रदर्शन किया। इस दौरान बिहार राज्य आशा एवं आशा फैसिलिटेटर संघ के राज्याध्यक्ष सुवेश सिंह ने बताया कि पिछले सात महीनों से पे-आईडी क्रिएट करने के नाम पर भुगतान रोका गया है। उन्होंने कहा कि विभाग के अन्य कर्मियों-जैसे चिकित्सा प्रभारी,मैनेजर, बीसीएम और एकाउंटेंट-का भुगतान जनवरी माह तक हो चुका है, जबकि आशा कार्यकताओं को उनके हक से वंचित रखा जा रहा है। धरना-प्रदर्शन के दौरान कार्यकताओं में भारी आक्रोश देखने को मिला। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही बकाया मानदेय का भुगतान नहीं हुआ तो आंदोलन जारी रहेगी। मौके पर मंजू देवी, नीरज देवी, नीलम देवी समेत बड़ी संख्या में आशा कार्यकर्ता शामिल रहीं।

एसडीएम के आदेश का अनदेखी गैस की नहीं हो रही होम डिलेवरी

केटी न्यूज/आरा

पीरो अनुमंडल मुख्यालय सहित आसपास के गांवों में कस्बों में आम उपभोक्ताओं को पिछले एक पखवाड़े से रसोई गैस की होम डिलेवरी नहीं मिल रही है। हालांकि अनुमंडल पदाधिकारी कृष्ण कुमार उपाध्याय ने स्थानीय गैस एजेंसी को रसोई गैस की होम डिलेवरी शुरू करने का निर्देश दिया है पर गैस एजेंसी द्वारा उक्त आदेश की अनसुनी कर अपनी मनमर्जी की जा रही है।गैस एजेंसी की इस मनमानी से आम उपभोक्ताओं की परेशानी बढ गई है। खासकर जिन परिवारों में पुरुष सदस्य नहीं है या उम्रदराज हैं। उन परिवारों के लिए रसोई गैस की होम डिलेवरी बंद मुसीबत खड़ी हो गई है। बुजुर्ग व महिलाओं को रसोई गैस के लिए घंटों कतार में खड़े होकर इंतजार करना संभव नहीं हो पा रहा है। ऐसे में इन परिवारों को भोजन का संकट पैदा हो गया है। इधर रसोई गैस की होम डिलेवरी बंद होने से आम उपभोक्ताओं को गैस

सिलिंडर के साथ गैस एजेंसी के कार्यालय पर सुबह से ही कतार में खड़ा होना पड रहा है। यहां घंटों इंतजार के बाद भी कतार में खड़े उपभोक्ता को गैस सिलिंडर मिलेगा या नहीं यह तय नहीं है। कतार में खड़े उपभोक्ता को जब रसोई गैस नहीं मिल रही है तो उनमें आक्रोश स्वभाविक है। ऐसे में प्रतिदिन रसोई गैस के लिए हंगामा खड़ा हो रहा है। कुछ उपभोक्ता जिन्हें प्रशासन व गैस एजेंसी द्वारा बुकिंग के तीन से चार दिन में रसोई गैस का होम डिलेवरी देने का आश्वासन दिया गया था, 10 दिन बाद भी होम डिलेवरी नहीं मिलने से नाराज हैं। पीरो नगर के वार्ड नंबर 16 निवासी 80 वर्षीय सेवानिवृत शिक्षक गोपाल जी कहते हैं कि उनके लिए कतार में खड़े होकर गैस के लिए इंतजार करना संभव नहीं है। उनके अनुसार स्थानीय अजय इंडेन गैस एजेंसी के प्रबंधक द्वारा भेदभाव व मनमानी की जा रही है। गैस एजेंसी को गैस की होम डिलेवरी शुरू करने का आदेश दिया गया है पर शिकायत मिल रही है कि एजेंसी द्वारा होम डिलेवरी नहीं शुरू की गई है। इसको लेकर अजय इंडेन गैस एजेंसी के प्रबंधक को कारण बताओ नोटिस दिया गया है। यदि होम डिलेवरी शुरू नहीं होती है तो नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

एक नजर

सासाराम में नारियल विक्रेताओं पर चलेगा प्रशासन का डंडा

सासाराम। सासाराम नगर निगम शहर की सूरत बदलने और स्वच्छता के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए इन दिनों 'मिशन मोड' में काम कर रहा है। एक तरफ जहाँ सोशल मीडिया और यूट्यूब जैसे माध्यमों का सहारा लेकर साफ-सफाई अभियान को गति दी जा रही है, वहीं दूसरी तरफ शहर की स्वच्छता में बाधक बनने वाले लोगों के खिलाफ नगर निगम ने अब कड़ा रुख अख्तियार कर लिया है। नारियल विक्रेताओं पर गिरी गाज ताजा मामले में, नगर निगम की टीम ने शहर के विभिन्न हिस्सों में औचक निरीक्षण किया। इस दौरान पाया गया कि कई नारियल विक्रेता और ग्राहक इस्तेमाल किए गए नारियल के खोल (अवशेष) सड़कों पर ही फेंक दे रहे हैं, जिससे न केवल शहर की सुंदरता बिगड़ रही है बल्कि नालियाँ भी जाम हो रही हैं। निगम ने ऐसे लापरवाह लोगों और दुकानदारों को चिन्हित कर उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की है। स्वच्छता प्रभारी का कड़ा संदेश कार्रवाई का नेतृत्व कर रहे स्वच्छता प्रभारी अजय कुमार ने बताया कि नगर निगम शहर को चकाचक करने के लिए पूरी ताकत झोंक रहा है, लेकिन कुछ लोग जानबूझकर सड़कों पर कचरा फेंककर अभियान को पटरी से उतारने की कोशिश कर रहे हैं। अजय कुमार ने स्पष्ट लहजे में कहा,जो भी व्यक्ति या दुकानदार सड़क पर नारियल का खोल या अन्य सामग्री फेंकता हुआ पाया जाएगा, उस पर न केवल जुमार्ना लगाया जाएगा बल्कि सख्त कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी। हम शहर की स्वच्छता से कोई समझौता नहीं करेंगे।

225 लीटर अवैध शराब बरामद,तस्कर फरार

काराकाट। पुलिस ने अवैध शराब के धंधे पर कड़ा प्रहार करते हुए जयश्री गांव से सवा दो सौ लीटर से अधिक अंग्रेजी शराब बरामद की है। गुरुवार रात को हुई छापेमारी में 26 पेटियों में भरी 1248 पीस 225 लीटर शराब जब्त की गई, जबकि शराब तस्कर भगदड़ मचाकर फरार हो गए। पुलिस ने धंधेबाजों की पहचान कर ली है और उनके खिलाफ मामला दर्ज कर छापेमारी तेज कर दी है।थाना अध्यक्ष विवेक कुमार ने बताया कि गुरुवार रात डेढ़ बजे गुप्त सूचना मिली कि जयश्री गांव की सड़क पर एक स्विफ्ट डिजायर कार से अवैध अंग्रेजी शराब की पेटियां उतारी जा रही थीं। मुखबिर की सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने मौके पर छापेमारी की। जैसे ही चालक को पुलिस की भनक लगी, वह पेटियां छोड़कर कार समेत फरार हो गया।पुलिस ने मौके से अलग-अलग स्थानों पर बिखरी 26 पेटियां बरामद कीं, जिनमें हर पेटी में लगभग 48 पीस शराब थी। कुल 1248 पीस शराब 8 पीएम के 'फ्रूटी सेल फॉर यूपी' ब्रांड की पाई गई, जो अवैध रूप से परिवहन की जा रही थी। थाना अध्यक्ष ने स्पष्ट कहा कि अवैध शराब के धंधेबाजों को किसी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। शुक्रवार को जांच के बाद संदिग्धों को चिन्हित कर मामला दर्ज किया गया है और उनकी तलाश में छापेमारी जारी है। गिरफ्तारी जल्द होने की संभावना है।

एसडीएम जनता दरबार में 103 मामलों का शीघ्र होगा निष्पादन

बिक्रमगंज। सबका सम्मान-जीवन आसान कार्यक्रम के तहत डीएम उदिता सिंह के निर्देश पर शुक्रवार को एसडीएम बिक्रमगंज प्रभात कुमार ने जनता दरबार का आयोजन किया। जनता दरबार के माध्यम से आमजन की समस्याओं को एसडीएम ने गंभीरता से सुना तथा संबंधित अधिकारियों से त्वरित निष्पादन करने का निर्देश दिया। इस दौरान अनुमंडल क्षेत्र से भूमि विवाद से संबंधित 10, राशन कार्ड से संबंधित 82 एवं अन्य 13 मामले लेकर परिवादी उपस्थित हुए और अपनी-अपनी समस्याएँ रखीं। सभी आवेदन पत्रों को शीघ्र निष्पादन संबंधित कार्यालय और पदाधिकारियों को निर्देशित किया ताकि फरियादियों को परेशानियों से बचाया जा सकें। प्रायः यह देखा जा रहा है कि प्रशासन आपके द्वार कार्यक्रम में बुढ़े-बुजूर्ग अपनी समस्या लेकर पहुंच रहें है। एसडीएम ने पूरी संवेदना के साथ उनकी समस्याएं को सुनकर समस्या के ससमय निष्पादन का निर्देश दिया।

विद्यालय छात्रों का शैक्षणिक परिभ्रमण दल रवाना

गड़हनी। मुख्यमंत्री परिभ्रमण योजना के तहत बड़ौरा पंचायत स्थित मध्य विद्यालय असलान बहादुरपुर के छात्र-छात्राओं का शैक्षणिक परिभ्रमण दल गुरुवार को पटना के लिए रवाना हुआ। विद्यालय परिसर से प्रखंड प्रमुख बिनोद कुमार यादव ने हरी झंडी दिखाकर दल को विदा किया।विद्यालय के प्रधानाध्यापक रामअवधेश सिंह ने बताया कि इस शैक्षणिक भ्रमण का उद्देश्य बच्चों को ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं प्रमुख पर्यटन स्थलों की जानकारी देना है, ताकि उनके ज्ञान में व्यावहारिक विस्तार हो सके। उन्होंने कहा कि ऐसे भ्रमण से विद्यार्थियों को पुस्तकीय ज्ञान के साथ-साथ प्रत्यक्ष अनुभव भी प्राप्त होता है, जिससे उनकी समझ और जिज्ञासा में वृद्धि होती है।भ्रमण के दौरान छात्र-छात्राएं पटना स्थित तारामंडल, संग्रहालय, विज्ञान भवन और गोलघर सहित अन्य महत्वपूर्ण स्थलों का अवलोकन करेंगे।इस अवसर पर शिक्षक प्रशांत कुमार, शुभ लक्ष्मी कुमारी एवं पूनम कुमारी सहित कई शिक्षक और अभिभावक उपस्थित रहे।

रामनवमी-ईद पर एसडीएम व एसडीपीओ ने की शांति समिति की बैठक

दावथ। दावथ प्रखंड क्षेत्र के नगर पंचायत कोआथ और बभनौल गांव में शुक्रवार को शांति समिती की बैठक किया गया। जिसकी अध्यक्षता एसडीएम प्रभात कुमार व एसडीपीओ सुधांशु शेखर सिंह ने संयुक्त रूप से किया। बैठक में ईद,चैती छठ व रामनवमी को लेकर शांति व्यवस्था एवं सद्भावना बनाए रखने को लेकर अपील की गई। वहीं पर्व में गैरकानूनी तरीके से कोई भी कार्य करने, सद्भावना बिगाड़ने की कोशिश, करने वाले असमाजिक तत्वों पर कानूनी कार्रवाई करने की चेतावनी दी गई। जो शोभायात्रा निर्धारित रास्ते से ही निकालने की अपील की गई।

बिहार में बिना जुताई अब आलू की खेती: जीरो टिलेज पर सरकार का फोकस

जल्द लागू होगी नई तकनीक

एजेंसी। पटना

बिहार सरकार के कृषि मंत्री राम कृपाल यादव ने शुक्रवार को पटना स्थित भा.कृ.अनु.प.- केन्द्रीय आलू अनुसंधान संस्थान, क्षेत्रीय केन्द्र में आयोजित एकदिवसीय कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेते हुए जीरो टिलेज तकनीक को किसानों के लिए भविष्य की खेती बताया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम इंटरनेशनल पोटेटो सेंटर (उक्ब्) द्वारा ह्लपुआल मल्चिंग के साथ जीरो टिलेज एवं एपिकल रूट कटिंग द्वारा बीज उत्पादनह्व विषय पर आयोजित किया गया था। कार्यक्रम के दौरान मंत्री ने स्वयं खेत में उतरकर जीरो टिलेज तकनीक से आलू उत्पादन का अवलोकन किया तथा कुदाल से आलू निकालकर परंपरागत एवं आधुनिक तकनीक की तुलना की। उन्होंने कहा कि यह तकनीक किसानों के लिए अत्यंत लाभकारी है, जिससे उत्पादन लागत में कमी, जल एवं उर्वरक की बचत के साथ पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिलता है। मंत्री ने कहा कि बदलते जलवायु परिदृश्य में टिकाऊ एवं आधुनिक कृषि पद्धतियों को अपनाना समय की मांग है। जीरो टिलेज तकनीक में पराली को जलाने के बजाय मल्च के रूप में उपयोग किया जाता है, जिससे मिट्टी की उर्वरता बढ़ती है और धान कटाई के तुरंत बाद बिना जुताई आलू की बुवाई संभव हो जाती है। विशेषज्ञों ने बताया कि इस तकनीक से पारंपरिक विधि की तुलना में 14 से 28 प्रतिशत तक उत्पादन वृद्धि, लगभग 35 प्रतिशत लागत में कमी तथा 50 प्रतिशत तक जल की बचत संभव है। साथ ही मृदा की गुणवत्ता और फसल की गुणवत्ता में भी उल्लेखनीय सुधार देखा गया है। कार्यक्रम में जीविका से जुड़ी विभिन्न जिलों की 150 से अधिक महिलाओं की सक्रिय भागीदारी रही, जिसकी मंत्री ने सराहना करते हुए इस तकनीक को राज्यभर में व्यापक स्तर पर अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि इस नवाचार को तेजी से पूरे बिहार में विस्तार दिया जाए। इस अवसर पर नाबार्ड, जीविका, डिजिटल ग्रीन सहित विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधि एवं कृषि वैज्ञानिक उपस्थित रहे।

भारत गैस गोदाम का बीडीओ ने किया औचक निरीक्षण

केटी न्यूज/नवादा

प्रखंड विकास पदाधिकारी संजीव झा और प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी अजीत कुमार के द्वारा परिस्थिति को दृष्टिगत रखते हुए निशा भारत गैस गोदाम एवं कार्यालय का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान गैस सिलेंडरों की उपलब्धता,भंडारण व्यवस्था, सुरक्षा मानकों एवं वितरण प्रणाली की विस्तृत समीक्षा की गई।अधिकारियों ने निशा गैस एजेंसी संचालिका को निर्देश दिया कि सभी उपभोक्ताओं को समय पर गैस की आपूर्ति सुनिश्चित की जाए तथा किसी भी प्रकार की कालाबाजारी या अनियमितता पाए जाने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही,

गोदाम एवं कार्यालय परिसर में सुरक्षा मानकों का पूर्ण अनुपालन करने का निर्देश दिया गया।विशेष रूप से अधिकारियों ने निर्देशित किया कि ऐसे उपभोक्ता विशेषकर महिलाएं जिनके परिवार के सदस्य ड्यूटी के कारण बाहर रहते हैं, पुलिस/सशस्त्र बलों में तैनात हैं अथवा अन्य कारणों से स्वयं गैस लेने आने में असमर्थ हैं,उन्हें प्राथमिकता के आधार पर समयबद्ध होम डिलीवरी सुनिश्चित की जाए।वही जिला प्रशासन द्वारा आमजन से अपील की गई है कि जिले में गैस सिलेंडरों की पर्याप्त उपलब्धता है। निरीक्षण मे विभिन्न पदाधिकारी सहित भारत गैस संचालिका निशा कुमारी मौजूद थी।

बिहार में रामनवमी मेला और अन्य धार्मिक आयोजनों के लिए 1.63 करोड़ जारी

विजय सिन्हा बोले- आस्था और परंपरा में नहीं होगी कोई कमी

एजेंसी। पटना

बिहार सरकार ने विभिन्न धार्मिक आयोजनों एवं मेलों के सुचारु संचालन और बेहतर व्यवस्था के लिए बड़ी वित्तीय स्वीकृति प्रदान की है। शुक्रवार को कुल 1 करोड़ 63 लाख रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई है। इस संबंध में उप मुख्यमंत्री सह राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने स्पष्ट रूप से कहा कि राज्य सरकार आस्था एवं परंपरा के

बड़े धार्मिक एवं सामाजिक आयोजनों को सुरक्षित, व्यवस्थित और जनहितकारी बनाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। ऐसे आयोजनों में किसी तरह की कमी नहीं होने दी जाएगी। उन्होंने कहा कि इन आयोजनों में स्थानीय सक्रिय लोगों को भी प्राथमिकता दी जानी चाहिए। इससे आयोजनों में निखार आ जाता है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि पटना नगर क्षेत्र में रामनवमी शोभा यात्रा के आयोजन हेतु 50 लाख रुपये की स्वीकृति दी गई है। इसके अतिरिक्त पटना जिले के दुल्हिन बाजार स्थित उलार धाम सूर्य मंदिर में चैती छठ मेला के लिए 6 लाख रुपये, देशभर में प्रसिद्ध औरंगाबाद के प्रसिद्ध देव चैती छठ मेला के लिए 30 लाख रुपये, दरभंगा राम दरबार चौक महावीर मंदिर रामनवमी मेला के लिए 05 लाख रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई है। सीताकुंड मेला, मुंगेर के लिए 21 लाख, मुजफ्फरपुर श्रावणी मेला का 05 लाख, बांका श्रावणी मेला का 31 लाख तथा अररिया जिले के बाबा सुन्दरनाथ धाम में सम्पन्न हुए महाशिवरात्रि मेला का बकाया 15 लाख रुपये की राशि की भी स्वीकृति प्रदान की गई है। उन्होंने कहा कि उपरोक्त सभी आयोजनों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए आवश्यक बुनियादी सुविधाएं, सुरक्षा व्यवस्था, साफ-सफाई और यातायात प्रबंधन को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि स्वीकृत राशि का उपयोग केवल निर्धारित मदों में ही किया जाए और किसी भी प्रकार का विचलन न हो। सभी संबंधित समाहर्त्ता, अपर समाहर्त्ता एवं अंचलाधिकारी यह सुनिश्चित करें कि राशि का व्यय पूरी पारदर्शिता के साथ किया जाए तथा समय पर उपयोगिता प्रमाण-पत्र विभाग को उपलब्ध कराया जाए। उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने जोर देते हुए कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य है कि हर धार्मिक आयोजन श्रद्धालुओं के लिए सुरक्षित, सुव्यवस्थित और यादगार बने। प्रशासनिक स्तर पर किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया कि समय पर राशि की निकासी और व्यय सुनिश्चित किया जाए, ताकि आयोजन में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो।

अपनी पुरानी कुर्सी कायम रखेंगे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार : जदयू राष्ट्रीय अध्यक्ष के लिए किया नामांकन

ललन सिंह से वापस ली थी अध्यक्ष की कमान

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जदयू के लंबे समय तक अध्यक्ष रहे थे। बाद में आरसीपी सिंह को उन्होंने यह कमान दी थी। जब आरसीपी सिंह को पार्टी से निकालने की तैयारी हुई तो राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह को राष्ट्रीय अध्यक्ष की कुर्सी सौंपी गई। ललन सिंह के समय ही पार्टी भाजपा से अलग हुई थी। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में वापसी के पहले 2023 के अंत में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने ललन सिंह से पार्टी अध्यक्ष की कुर्सी वापस अपने पास ले ली थी। इसके बाद जनवरी 2024 में जदयू फिर एनडीए का हिस्सा बन गया था।

नीतीश कुमार फिर से संभालेंगे कुर्सी

जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष चुनाव की अधिसूचना जारी होने के बाद से ही यह तय हो गया था कि नीतीश कुमार फिर से यह कुर्सी संभालेंगे। नामांकन दाखिल करने की तारीख 22 मार्च तक है और नाम वापसी की तारीख 24 मार्च तक। पिछले दिनों प्रदेश अध्यक्ष के निर्विरोध निर्वाचन की घोषणा के बाद से ही राष्ट्रीय अध्यक्ष के मामले में भी ऐसा ही होने की उम्मीद पार्टी के पदाधिकारी जता रहे थे। जदयू के राष्ट्रीय प्रवक्त राजीव रंजन प्रसाद ने कहा कि अब तक केवल नीतीश कुमार का नामांकन दाखिल हुआ है। नामांकन की जांच 23 मार्च को होगी और अगर 22 मार्च तक किसी और ने नामांकन नहीं किया तो उसके बाद 24 मार्च को औपचारिक तौर पर नीतीश कुमार को पुन: अध्यक्ष घोषित किया जाएगा। अगर कोई नामांकन होता है तो चुनाव 27 मार्च को होंगे, हालांकि ऐसे आसार नहीं हैं।

एजेंसी। पटना

जदयू में राष्ट्रीय अध्यक्ष पद को लेकर तस्वीर लगभग साफ है, क्योंकि अब तक सिर्फ नीतीश कुमार का ही नाम सामने आया है। तय प्रक्रिया के अनुसार, यदि कोई अन्य दावेदार नहीं आता है तो उन्हें निर्विरोध अध्यक्ष घोषित कर दिया जाएगा, जिससे पार्टी नेतृत्व पूरी तरह उनके नियंत्रण में बना रहेगा। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार राज्यसभा सांसद निर्वाचित हो चुके हैं। वह मुख्यमंत्री हैं, हालांकि इस कुर्सी के लिए भाजपा अपनी तैयारी कर चुकी है। लेकिन, नीतीश ने जनता दल यूनाईटेड के राष्ट्रीय अध्यक्ष की कुर्सी अपने पास रखने का फैसला कर लिया है। राज्यसभा के नव निर्वाचित सांसद नीतीश कुमार अपनी पार्टी- जनता दल यूनाईटेड के राष्ट्रीय अध्यक्ष बने रहेंगे। नई दिल्ली स्थित पार्टी के केंद्रीय कार्यालय में जदयू के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय झा ने शुक्रवार को नीतीश कुमार का नामांकन दाखिल कराया। प्रस्तावक के रूप में मौजूद संजय झा ने बताया कि समृद्धि यात्रा में आम जनों के बीच रहने के कारण मुख्यमंत्री नीतीश कुमार खुद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में नामांकन के लिए नहीं आ सके।

एक नजर

मामूली विवाद ने लिया हिंसक रूप, दबंगों ने घर पर चढ़कर की फायरिंग, वीडियो वायरल

बेगूसराय। बिहार के बेगूसराय जिले से एक बार फिर दबंगई और कानून व्यवस्था को चुनौती देने वाली घटना सामने आई है, जहां एक मामूली विवाद ने देखते ही देखते हिंसक रूप ले लिया। गढ़हारा थाना क्षेत्र के गढ़हारा वार्ड नंबर-14 में दबंगों ने एक परिवार के घर पर चढ़कर फायरिंग कर दी और जमकर पत्थरबाजी की। इस पूरी घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसके बाद पुलिस भी हरकत में आ गई है। मिली जानकारी के अनुसार, गांव के ही कुछ लोग अचानक एक परिवार के घर पर पहुंच गए और विवाद शुरू हो गया। शुरूआत में दोनों पक्षों के बीच कहासुनी और गाली-गलौज हुई, लेकिन कुछ ही देर में मामला पूरी तरह बेकाबू हो गया। वायरल वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि बहस के दौरान एक युवक ने देसी कट्टा निकाल लिया और खुलेआम फायरिंग शुरू कर दी। पीड़ित परिवार का आरोप है कि हमलावर पहले से ही हथियार लेकर आए थे और आते ही जातिसूचक गालियां देते हुए मारपीट शुरू कर दी। जब घर की महिलाओं ने बीच-बचाव करने की कोशिश की, तो आरोपियों ने उन्हें भी धमकाया और जान से मारने की धमकी देते हुए ताबड़तोड़ गोलियां चलाईं। बताया जा रहा है कि करीब तीन राउंड फायरिंग की गई, हालांकि राहत की बात यह रही कि इस घटना में किसी की जान नहीं गई और कोई गंभीर रूप से घायल नहीं हुआ।फायरिंग के बाद दोनों पक्षों के बीच जमकर पत्थरबाजी भी हुई, जिससे पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। लोग इधर-उधर भागने लगे और आसपास के घरों में छिप गए। कुछ देर के लिए पूरा इलाका रणक्षेत्र में तब्दील हो गया था। इस घटना के बाद गांव में दहशत का माहौल बना हुआ है और लोग खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। घटना की सूचना मिलते ही गढ़हारा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और हालात को काबू में किया। पुलिस ने मौके से कई महत्वपूर्ण साक्ष्य जुटाए हैं और आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है। स्थिति को देखते हुए इलाके में पुलिस की गश्त भी बढ़ा दी गई है।

बाइक और ट्रक में जोरदार टक्कर: मेला से लौट रहे तीन दोस्तों की दर्दनाक मौत, इलाके में कोहराम

बेतिया। बिहार के बेतिया में दर्दनाक सड़क हादसे ने तीन घरों के चिराग एक साथ बुझा दिए। मेला देखकर लौट रहे तीन दोस्तों की मौत उस समय हो गई, जब उनकी बाइक सड़क किनारे खड़े एक ट्रक में पीछे से जा घुसी। घटना के बाद इलाके में मातम पसरा हुआ है। जानकारी के अनुसार, यह हादसा बैरिया थाना क्षेत्र में गुरुवार की रात करीब 11:40 बजे हुआ। मृतकों की पहचान घुसकपुरा गांव निवासी आलोक कुमार (20), रौशन कुमार (15) और विकास कुमार (20) के रूप में हुई है। तीनों युवक एक ही बाइक पर सवार थे और नाथबाबा चौक पर आयोजित महायज्ञ का मेला देखने गए थे। बताया जा रहा है कि मेला देखने के बाद देर रात तीनों दोस्त अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान बगही बढ़िया टोला के पास उनकी बाइक सड़क किनारे खड़े यूरिया लदे ट्रक से पीछे से टकरा गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, ट्रक सड़क पर खड़ा था लेकिन उसमें कोई इंडिकेटर या चेतावनी लाइट नहीं जल रही थी। अंधेरे के कारण बाइक सवार युवकों को ट्रक दिखाई नहीं पड़ा और वे सीधे उसमें जा भिड़े। हादसा इतना भीषण था कि आलोक कुमार और विकास कुमार की मौके पर ही मौत हो गई।

गयाजी पर बिहार सरकार मेहरबान : काशी विश्वनाथ के तर्ज पर बनेगा विष्णुपद कॉरिडोर

- युवाओं के लिए इंडस्ट्रियल हब का एलान

एजेंसी। पटना

बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने घोषणा की है कि गयाजी में काशी विश्वनाथ की तर्ज पर विष्णुपद मंदिर कॉरिडोर का निर्माण किया जाएगा। इसके साथ ही गया में बड़े पैमाने पर औद्योगिक कॉरिडोर विकसित किया जा रहा है, जिससे राज्य में रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। समृद्धि यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ गया और औरंगाबाद पहुंचे उपमुख्यमंत्री ने गया के टनकुप्पा में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि पहले गयाजी में नक्सलियों का भय और खराब सड़कों के कारण लोग आने से डरते थे, लेकिन अब हालात पूरी तरह बदल चुके हैं। उन्होंने बताया कि अब पटना से गया की दूरी डेढ़ से दो घंटे में तय की जा रही है और लोग रात में भी सुरक्षित आवागमन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि गया क्षेत्र में सिंचाई सुविधाओं के विस्तार से खेती को बढ़ावा मिला है और किसानों को लाभ हो रहा है। साथ ही यहां सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना कर आधुनिक तकनीक को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। उपमुख्यमंत्री ने राज्य में हुए विकास कार्यों का जिक्र करते हुए कहा कि 2005 से पहले बिहार में बुनियादी सुविधाओं का अभाव था, लेकिन अब सड़कों का नेटवर्क 6 हजार किलोमीटर से बढ़कर करीब 1.40 लाख किलोमीटर हो गया है। बिजली उपभोक्ताओं की संख्या भी 17 लाख से बढ़कर 2.16 करोड़ हो गई है और राज्य में लगभग 24 घंटे बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। महिलाओं के सशक्तिकरण को लेकर भी सरकार द्वारा कई योजनाएं चलाई जा रही हैं। पंचायत चुनाव में 50 प्रतिशत आरक्षण के साथ ही स्वयं सहायता समूहों के जरिए महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाया जा रहा है। सम्राट चौधरी ने कहा कि राज्य से पलायन रोकने के लिए उद्योगों को बढ़ावा दिया जा रहा है।

सड़क निर्माण पर 40 हजार करोड़ रुपये से अधिक खर्च

वहीं औरंगाबाद के बारुण स्थित मुंशी बिगहा में आयोजित सभा में उन्होंने कहा कि जो क्षेत्र कभी नक्सल प्रभावित था, वहां अब पूरी तरह शांति स्थापित हो चुकी है। उन्होंने बताया कि बनारस से रांची तक नई फोरलेन सड़क का निर्माण औरंगाबाद से होकर किया जा रहा है, जिससे क्षेत्र के विकास को गति मिलेगी। राज्य में तेजी से निवेश बढ़ रहा है और सड़क निर्माण पर 40 हजार करोड़ रुपये से अधिक खर्च किए जा रहे हैं। साथ ही राज्य के सभी जिलों में मेडिकल कॉलेजों का निर्माण भी किया जा रहा है।

बिहार में खाद की कालाबाजारी पर सरकार सख्त : 449 उर्वरक लाइसेंस रद्द, 115 लोगों के खिलाफ केस दर्ज

एजेंसी। पटना

बिहार में खाद की कालाबाजारी पर बड़ी कार्रवाई हुई है. कुल 449 खाद लाइसेंस को रद्द कर दिया गया है. खाद की कालाबाजारी के मामले में 115 के खिलाफ केस दर्ज किया गया है. बिहार सरकार का कृषि विभाग उर्वरक कालाबाजारी पर जीरो टॉलरेंस की नीति अपना रहा है। इस वित्तीय वर्ष में अब तक विभाग ने अनियमितताओं के विरुद्ध 115 उर्वरक प्रतिष्ठानों पर प्राथमिकी दर्ज की है, साथ ही, 449 उर्वरक प्रतिष्ठानों के लाइसेंस रद्द किए हैं। उर्वरक की कालाबाजारी के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई के लिए विभाग ने मुख्यालय स्तर पर उड़नदस्ता दल गठित किया है। प्राप्त शिकायतों के आधार पर लगातार छापेमारी हो रही है। ये जानकारी राज्य के कृषि मंत्री राम कृपाल यादव ने शुक्रवार को दी है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार उर्वरकों की कालाबाजारी, जमाखोरी एवं अधिक मूल्य पर बिक्री को रोकने के लिए पूरी तरह सख्त एवं सतर्क है। राज्य के किसी भी जिले में उर्वरक की कोई कमी नहीं है और किसानों को पर्याप्त मात्रा में उर्वरक उपलब्ध कराया जा रहा है। राज्य में यूरिया के 2.45 लाख मीट्रिक टन, डीएपी 1.46 लाख मीट्रिक टन,

एनपीके 2.05 लाख मीट्रिक टन, एमओपीः 0.41 लाख मीट्रिक टन और एसएसपी 1.03 लाख मीट्रिक टन उपलब्ध है। मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रखंडवार आवश्यकता और आच्छादन के अनुसार उर्वरक का उप-आवंटन सुनिश्चित किया जाए, ताकि किसी क्षेत्र में कमी की स्थिति उत्पन्न न हो। उर्वरक प्रतिष्ठानों के पॉस मशीन में दर्ज स्टॉक और भौतिक स्टॉक का नियमित सत्यापन किया जाए। किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर जीरो टॉलरेंस नीति के तहत कड़ी कार्रवाई की जाएगी। सभी जिलों में जांच दल गठित कर नियमित छापेमारी एवं निरीक्षण करने का निर्देश दिया गया है। विशेष रूप से अंतरराष्ट्रीय सीमा से सटे जिलों में छापेमारी तेज करने तथा सशस्त्र सीमा बल के साथ समन्वय स्थापित कर उर्वरक तस्करी पर प्रभावी रोक लगाने को कहा गया है।

पटना में भव्य अंदाज में लॉन्च हुआ भोजपुरी फिल्म जेल स्टार का ट्रेलर, जल्द होगी सिनेमाघरों में रिलीज

एजेंसी। पटना

राजधानी पटना के प्रतिष्ठित होटल पाटलिपुत्र एक्जोटिका में भोजपुरी फिल्म "जेल स्टार" का ट्रेलर लॉन्च भव्य कार्यक्रम के साथ किया गया। भूमि ओरिजिनल्स इंटरनेशनल के बैनर तले बनी इस फिल्म का निर्देशन पराग पाटिल ने किया है। ट्रेलर लॉन्च के मौके पर फिल्म से जुड़े कई चर्चित कलाकार और निमार्ता उपस्थित रहे, जिससे कार्यक्रम में फिल्मी रंगत देखने को मिली। इस अवसर पर निर्देशक पराग पाटिल, निमार्ता प्रिंस कुमार, अभिनेता व गायक रौशन रोही, अभिनेत्री शिल्पी राघवानी, अभिनेता देव सिंह, नेहा पाठक, खुशी कक्कड़, अखिलेश कश्यप और गौरीशंकर समेत कई कलाकार मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान सभी कलाकारों ने फिल्म के अनुभव साझा किए और दर्शकों से फिल्म को प्यार देने की अपील की। निर्देशक पराग पाटिल ने बताया कि "जेल स्टार" एक पारिवारिक और मनोरंजक फिल्म है, जिसमें दर्शकों को भावनाओं, संगीत और कहानी का बेहतरीन संगम देखने को मिलेगा। उन्होंने कहा कि रौशन रोही के साथ उनकी यह पहली फिल्म है और उन्होंने इसमें शानदार अभिनय किया है। साथ ही उन्होंने यह भी जानकारी दी कि फिल्म को कई भाषाओं में डब कर व्यापक स्तर पर रिलीज किया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक दर्शकों तक इसे पहुंचाया जा सके। निमार्ता प्रिंस कुमार ने कहा कि ह्लजेल स्टारह्ल उनकी पहली फिल्म है, जिसे उन्होंने पूरी मेहनत और दिल से बनाया है। उन्होंने बताया कि इस फिल्म में दर्शकों के लिए एक मजबूत कहानी, बेहतरीन संगीत और पारिवारिक मनोरंजन का पूरा ख्याल रखा गया है। प्रिंस कुमार ने उम्मीद जताई कि दर्शक इस फिल्म को भरपूर प्यार देंगे और उनकी यह पहली कोशिश भोजपुरी सिनेमा में एक अलग पहचान बनाएगी। अभिनेता रौशन रोही ने फिल्म को लेकर उत्साह व्यक्त करते हुए कहा कि यह पूरी तरह पारिवारिक फिल्म है, जिसमें 2-3 मगही गीत भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि जिस तरह दर्शकों ने उनके गाए गीतों को प्यार दिया है, उसी तरह इस फिल्म को भी भरपूर समर्थन मिलेगा। वहीं अभिनेत्री शिल्पी राघवानी ने कहा कि रौशन रोही के साथ यह उनकी पहली फिल्म है, लेकिन उनके साथ काम करते हुए ऐसा महसूस नहीं हुआ कि वह नए हैं। उन्होंने उनके अभिनय की सराहना की।फिल्म में कुल आठ गाने शामिल हैं, जो दर्शकों को खूब पसंद आने की उम्मीद है। अभिनेता देव सिंह ने कहा कि फिल्म की कहानी और प्रस्तुति दर्शकों को बांधे रखेगी और इसमें हर वर्ग के लिए मनोरंजन मौजूद है।

बिहार में बदला मौसम का मिजाज : बगहा, मुजफ्फरपुर और वैशाली समेत कई जिलों में बारिश

- **आसमान से गिरे ओले**

इन 8 जिलों में ऑरेंज अलर्ट

आईएमजी की ओर से सीमांचल और दक्षिण-पूर्वी बिहार के मधुबनी, सुपौल, अररिया, किशनगंज, पूर्णिया, कटिहार, भागलपुर और बांका में ओलावृष्टि को लेकर ऑरेंज अलर्ट किया गया है। इन इलाकों में बड़े आकार के ओले गिर सकते हैं, जिससे न केवल घरों की खिड़कियों को नुकसान पहुंच सकता है, बल्कि खेतों में

21 मार्च तक के लिए जारी हुआ अलर्ट

आपदा प्रबंधन विभाग की तरफ से बताया गया है कि सूबे के 15 जिलों में 20 और 21 मार्च को तेज हवा-पानी-वज्रपात गिरने की संभावना है. सूबे के अधिकांश भागों में 50 किमी की रफ्तार से तेज हवा चल सकती है।

एजेंसी। पटना

शुक्रवार को बिहार में मौसम का मिजाज बदल गया। मुजफ्फरपुर और वैशाली समेत कई जिलों में तेज हवा के साथ बारिश हुई है। कई जगहों पर बारिश के दौरान ओलावृष्टि भी हुई है। मौसम विभाग ने राज्य के कई जिलों के लिए ऑरेंज और येलो अलर्ट जारी किया था और लोगों को सचेत रहने की सलाह भी दी थी। उत्तर बिहार के प्रमुख शहर मुजफ्फरपुर में मौसम का मिजाज अचानक बदल गया है। मौसम विभाग द्वारा जारी किए गए येलो अलर्ट के कुछ घंटों के भीतर ही जिले के विभिन्न हिस्सों में तेज हवाओं और गर्जना के साथ हल्की बूंदाबांदी शुरू हो गई। भीषण गर्मी से पहले जिलेवासियों के लिए यह बदलाव बड़ी राहत लेकर आया है। शुक्रवार दोपहर के बाद से ही आसमान में काले बादलों का डेरा जमा होने लगा था। देखते ही देखते धूल भरी तेज हवाएं चलने लगीं, जिससे तापमान में गिरावट दर्ज की गई। शहर के साथ-साथ ग्रामीण इलाकों–सकरा, मोतीपुर और कांटी–में भी ठंडी हवाओं के साथ रिमझिम बारिश की खबरें मिल रही हैं। इस मौसमी बदलाव से अधिकतम तापमान में 3 से 5 डिग्री सेल्सियस तक की कमी आने की संभावना जताई जा रही है। उधर, वैशाली के गौरौल प्रखंड में अचानक मौसम का मिजाज बदल गया। तेज आंधी-बारिश और ओलावृष्टि तेज गति से आसमान से जमीन पर गिरने लगा। तेज आंधी और बारिश ओलावृष्टि के बाद लोग अपने घर में छुपाने पर मजबूर नजर आए। वही ओलावृष्टि के कारण किसानों को भी भारी नुकसान हुई है। गौरौल प्रखंड क्षेत्र में अचानक मौसम ने करवट ली और तेज आंधी के साथ मूसलाधार बारिश शुरू हो गई। मोहम्मदपुर पुझा गांव सहित आसपास के इलाकों में जमकर ओलावृष्टि हुई। बड़े-बड़े ओले गिरने से रवि फसल को भारी नुकसान पहुंचा है। मोहम्मदपुर पोझा गांव निवासी आजम खान ने बताया कि मौसम ने अचानक करवट ले ली और तेज आंधी के साथ बारिश शुरू हो गई। बारिश तेज होने के साथ-साथ ओलावृष्टि के कारण फसल नष्ट हो गई है। उधर, बेतिया और बगहा में भी बारिश के साथ आसमान से ओले गिरे हैं।

बिहार में शिक्षकों के ट्रांसफर को लेकर बनेगी नई पॉलिसी, शिक्षा विभाग ने कमेटी गठित की

एजेंसी। पटना

बिहार में अब शिक्षकों के तबादले को लेकर नई नीति बनेगी। इस नई नीति के तहत ही शिक्षकों का ट्रांसफर हो सकेगा। बिहार सरकार के शिक्षा विभाग ने ट्रांसफर पॉलिसी बनाने के लिए कमेटी गठित कर दी है। यह कमेटी की रिपोर्ट के आधार पर सरकार बिहार में शिक्षकों के ट्रांसफर को लेकर नई नीति बनाएगी। इसको लेकर शिक्षा विभाग ने राज्य के प्राथमिक विद्यालय, मध्य विद्यालय, माध्यमिक और उच्च माध्यमिक स्कूलों में पदस्थापित शिक्षकों के स्थानांतरण को लेकर विभागीय स्तर पर शिक्षा सचिव की अध्यक्षता में कमेटी गठित की है। इस कमेटी में शिक्षा विभाग के सचिव अध्यक्ष, माध्यमिक शिक्षा के निदेशक को सदस्य सचिव तथा प्राथमिक शिक्षा निदेशक, आरडीडी सहरसा अमित कुमार, राज्य परियोजना निदेशक रविशंकर सिंह और माध्यमिक शिक्षा उप निदेशक अब्दुस सलाम अंसारी को सदस्य बनाया गया है। यह कमेटी शिक्षकों के स्थानांतरण से संबंधित नीति, नियमावली, मानक मंडल तैयार करने के साथ ही विद्यालयों में समानुपातिकरण करने हेतु प्रतिवेदन/नियमावली 15 दिनों में तैयार कर विभाग को उपलब्ध कराएगी।